राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण शनिवार, 29 अक्टूबर 2022 वर्ष–5,अंक–271 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नदिया में ट्रक और यात्री वाहन की टक्कर में पांच की मौत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के नदिया जिले में शुक्रवार सुबह बड़ी सड़क दुर्घटना हुई है। यहां एक संकरी सड़क पर सामने से आ रहे ट्रक से एक यात्री वाहन की टक्कर में एक बच्चे सहित पांच लोगों की मौत हो गई है। घटना जिले के नक्काशीपाड़ा की हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि रायगंज से बथुआडहरी की ओर जा रहे यात्री वाहन की नक्काशीपाड़ा के पास सामने से आ रहे एक ट्रक से टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि घटनास्थल पर ही बच्चे सहित पांच लोगों की मौत हो गई जबकि कई अन्य लोग घायल हो गये जिन्हें नजदीक के अस्पताल में भर्ती किया गया है।

पता चला है कि यहां राष्ट्रीय राजमार्ग पर लंबे समय से काम चल रहा है। बीच में काम बंद हो गया था बावजूद इसके राष्ट्रीय राजमार्ग को संकरा कर सिंगल लेन कर दिया गया। उसी संकरे रास्ते से यात्री वाहन तेज गति से गुजर रहा था और सामने से बहरमपुर की ओर जा रहा ट्रक तेज रफ्तार से आ रहा था जिसकी वजह से दोनों की आमने सामने भिड़ंत हुई है। मृतकों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। स्थानीय लोगों ने घटना को लेकर नाराजगी जताई है। उनका आरोप है कि यहां कभी भी ट्रैफिक पुलिस की निगरानी नहीं रहती और अमूमन दुर्घटनाएं होती रहती हैं। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

चिंतन शिविर में पीएम मोदी का सुझाव, पुलिस के लिए हो 'वन नेशन वन यूनिफॉर्म'

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हरियाणा के सूरजकुंड में राज्यों के गृह मंत्रियों के दो दिवसीय चिंतन शिविर को आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संबोधित किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने अपराध और अपराधियों पर नकेल कसने के लिए राज्यों के बीच निकट सहयोग की वकालत की और कहा कि सहकारी संघवाद ना सिर्फ संविधान की भावना है बल्कि यह केंद्र और राज्यों की जिम्मेदारी भी है। इसी दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से पुलिस के लिए ''एक राष्ट्र, एक वर्दी'' का विचार भी रखा गया। हालांकि, प्रधानमंत्री ने यह स्पष्ट तौर पर कहा कि मैं यह आप सभी पर थोपने की कोशिश नहीं कर रहा। इसके बारे में आप सोच सकते हैं। यह 5, 50 या 100 सालों में हो सकता है लेकिन हम इस पर विचार कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साफ तौर पर कहा कि इस कदम से देश भर में पुलिस की एक जैसी पहचान हो सकती है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने राज्य सरकारों से पुराने कानूनों की समीक्षा करने और आज के संदर्भ में उन्हें सुधारने का भी

आग्रह किया। उन्होंने कहा कि संविधान में भले कानून और व्यवस्था राज्यों का दायित्व है, लेकिन ये देश की एकता-अखंडता के साथ भी उतने ही जुड़े हुए हैं, हर एक राज्य एक दूसरे से सीखें, एक दूसरे से प्रेरणा लें। मोदी ने कहा कि आजादी का अमृतकाल हमारे सामने हैं। आने वाले 25 वर्ष देश में एक अमृत पीढ़ी के निर्माण के हैं। ये अमृत पीढ़ी 'पंच प्राणों' के संकल्पों को धारण करके निर्मित होगी।

अमृत पीढ़ी 'पंच प्राणों' में मोदी ने बताया कि 1- विकसित भारत का निर्माण, 2- गुलामी की हर सोच से मुक्ति, 3- विरासत पर गर्व, 4- एकता और एकजुटता, 5- नागरिक कर्तव्य। प्रधानमंत्री ने कहा कि इन पंच प्राणों का महत्व आप सभी भली भांति जानते हैं, समझते हैं। ये एक विराट संकल्प है, जिसको सिर्फ और सिर्फ सबके प्रयास से ही सिद्ध किया जा सकता है। मोदी ने कहा कि कई बार केंद्रीय एजेंसियों को कई राज्यों में एक साथ जांच करनी पड़ती है, दूसरे देशों में भी जाना पड़ता है, इसलिए हर राज्य का दायित्व है कि चाहे राज्य की एजेंसी हो, चाहे केंद्र की एजेंसी हो, सभी एजेंसियों को एक-दूसरे को पूरा सहयोग देना चाहिए।

सहकारी संघवाद ना सिर्फ संविधान की भावना है बल्कि यह केंद्र और राज्यों की जिम्मेदारी भी है। इसी दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से पुलिस के लिए ''एक राष्ट्र, एक वर्दी'' का विचार भी रखा गया। हालांकि, प्रधानमंत्री ने यह स्पष्ट तौर पर कहा कि मैं यह आप सभी पर थोपने की कोशिश नहीं कर रहा। इसके बारे में आप सोच सकते हैं। यह 5, 50 या 100 सालों में हो सकता है लेकिन हम इस पर विचार कर सकते हैं।

लेह में 75 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का राजनाथ ने किया उद्घाटन, बोले- नई ऊर्जा के साथ यात्रा शुरू कर रहा देश

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आज लद्दाख के दौरे पर हैं। अपने इस दौरे के दौरान रक्षा मंत्री ने लेह में श्योक सेतु सहित 75 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इस मौके पर राजनाथ ने अपने संबोधन में कहा कि एक साथ इतनी बड़ी संख्या में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन होना अपने आप में एक बहुत बड़ा रिकॉर्ड है। उन्होंने कहा कि ये सभी निर्माण कार्य नए भारत को प्रकृति के रास्ते पर तेजी से आगे ले जाने में बहुत महत्वपूर्ण साबित होंगे। ऐसा मेरा पक्का विश्वास है। इसके साथ ही राजनाथ ने कहा कि मेरा पक्का विश्वास है कि देश जब एक नई ऊर्जा, नई सोच और उत्साह के साथ नई यात्रा शुरू कर रहा है तो निश्चित यह दुनिया में अपना एक नया स्थान प्राप्त करके रहेगा। इसमें BRO की बहुत बड़ी भूमिका होने वाली है। इसके साथ ही राजनाथ ने कहा कि अपनी शुरुआत से ही दूर-दराज के इलाकों में सड़क, टन्नल और अन्य बुनियादी ढांचे का निर्माण कर राष्ट्र के प्रगति में BRO अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का लगातार निर्वाह कर रहा है लेकिन पिछले 6-7 सालों में BRO ने जो उपलब्धियां हासिल की हैं वो अपने आप में अभूतपूर्व हैं। रक्षामंत्री ने कहा कि सीमाई इलाकों के विकास की कुछ ख़ास जरूरतें हैं, जिन पर हमने ध्यान दिया, और उन पर जमीनी स्तर पर काम भी किया। हमने देखा, कि इन इलाकों में समावेशी विकास की जरूरत है, जो बिना कनेक्टिविटी के संभव नहीं हो सकता है। उन्होंने कहा कि यहाँ पर लगभग सात दशकों तक विकास की वह स्थिति नहीं आ पाई, जो देश के बाकी हिस्सों में आ गई थी। बुनियादी सुविधाओं का विकास नहीं तो शिक्षा नहीं, स्वास्थ्य नहीं, उद्योग-धंधे और रोजगार के अवसर नहीं, और समृद्धि नहीं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मुझे यह कहते हुए खुशी होती है, कि देर आए, दुरुस्त आए। देर से ही सही, पर जम्मू-कश्मीर में भी विकास की धारा बह निकली है। सरकार के अथक प्रयासों से इस इलाके में उम्मीदों की एक नई सुबह हुई है। मैं हमारी सशस्त्र बल, रक्षा विभाग और स्वंष्ठ को भी इन उपलब्धियों के लिए बधाई देता हूँ। मैं आप सभी से सदैव, नवनिर्माण में रत रहने का आह्वान करता हूँ। हम सभी हमेशा कुछ नया करते रहें, और राष्ट्र को नई ऊंचाइयों पर ले जाएँ, यह हमारा उद्देश्य होना चाहिए। इससे पहले गुरुवार को राजनाथ सिंह ने श्रीनगर के बडगाम में शौर्य दिवस समारोह में शिरकत की थी।

नया अध्यक्ष मिला तो दूर हुए मतभेद, पहली बार राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में पहुंचे मनीष तिवारी

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव खत्म होते ही पार्टी के वरिष्ठ नेता मनीष तिवारी के तेवर भी बदल गए हैं। आज वह तेलंगाना में राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुए। आपको बता दें कि कांग्रेस में संगठनात्मक चुनाव की मांग करने वालों में मनीष तिवारी भी शामिल थे। उन्होंने मल्लिकार्जुन खड़गे के नामांकन पत्र पर बतौर प्रस्तावक हस्ताक्षर भी किए थे। इसके बाद ही इस बात के कयास लगाए जा रहे थे कि नया अध्यक्ष मिलते ही कांग्रेस के कथित जी-23 की नाराजगी दूर हो चुकी है। राहुल गांधी के नेतृत्व वाली भारत जोड़ो यात्रा शुक्रवार को तेलंगाना के नारायणपेट जिले के येलिगंदला से फिर से शुरू हुई। इसके आज 23.3 किलोमीटर की दूरी तय करने की उम्मीद है। कांग्रेस पार्टी के सूत्रों ने यह जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि यात्रा शुक्रवार रात को महबूबनगर में रुकेगी। राज्य में यात्रा का यह तीसरा दिन है।

सूत्रों के मुताबिक, यात्रा सुबह करीब 6.10 बजे शुरू हुई और इसमें पूर्व केंद्रीय मंत्री जयराम रमेश, अखिल भारतीय कांग्रेस

कमेटी (एआईसीसी) के प्रभारी के सी वेणुगोपाल और पार्टी की तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष ए रेवंत रेड्डी सहित कई नेता बड़े नेता राहुल गांधी के साथ शामिल हुए। सूत्रों ने बताया कि राहुल ने दो स्कूली छात्राओं को बुलाया, जो यात्रा मार्ग में सड़क किनारे उनका इंतजार कर रही थीं और कुछ दूरी तक उनके साथ चले। कांग्रेस पार्टी द्वारा शेयर किए गए फोटो में मनीष तिवारी भी नजर आ रहे हैं।

आपको बता दें कि सात नवंबर को महाराष्ट्र में प्रवेश करने से पहले यात्रा तेलंगाना के नौ लोकसभा और 19 विधानसभा क्षेत्रों से गुजरते हुए कुल 375 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। चार नवंबर को यात्रा एक दिन का विराम लेगी।

भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल खेल, व्यवसाय और मनोरंजन क्षेत्र की हस्तियों के साथ-साथ विभिन्न समुदायों के बुद्धिजीवियों और नेताओं से मुलाकात करेंगे। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्यों ने कहा कि राहुल पूरे तेलंगाना में प्रार्थना स्थलों, मस्जिदों और मंदिरों का दौरा कर वहां पूजा-अर्चना भी करेंगे। भारत जोड़ो यात्रा सात सितंबर को तमिलनाडु के कन्याकुमारी से शुरू हुई थी। यात्रा का तेलंगाना चरण आरंभ करने से पहले राहुल ने केरल, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में पदयात्रा की।

फडणवीस को राजनीतिक कटुता दूर करने की पहल करनी चाहिए–उद्धव ठाकरे

मुंबई। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने कहा है कि उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को महाराष्ट्र में राजनीतिक कटुता खत्म करने की पहल करनी चाहिए। उद्धव ठाकरे ने कहा कि फडणवीस ने ही दीपावली के एक कार्यक्रम में कहा था कि राज्य में राजनीतिक कटुता बढ़ गई है। जब उन्होंने (फडणवीस ने) इसे महसूस किया है तो उन्हें इसे खत्म करने का भी प्रयास करना चाहिए।

पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा कि राज्य में राजनीतिक कटुता की वजह से लोगों का काम प्रभावित हो रहा है। सत्ता आती जाती रहती है। सत्ता चाहे किसी की भी हो, सत्ता में आम लोगों के काम को प्रथम प्राथमिकता दी जानी चाहिए। राजनीति में कल क्या होगा यह किसी को पता नहीं रहता है, लेकिन हम फडणवीस की इस राय से सहमत हैं कि महाराष्ट्र की एकता की परंपरा जारी रहनी चाहिए।

उद्धव ने कहा कि नेपोलियन और सिकंदर भी हमेशा के लिए नहीं रहे। राम-कृष्ण भी आए और चले गए। आप हम क्या हैं? जीत-हार लगी रहती है। जीत के बाद उत्साह आता है, लेकिन अगर

उत्साह के बाद उन्माद आ जाता है तो वह नासमझी मानी जाती है। इसी नासमझी की वजह से महाराष्ट्र की राजनीति में न केवल कटुता, बल्कि बदले की राजनीति को भी प्रोत्साहन मिल रहा है, जो किसी भी कीमत पर राज्यहित में नहीं है।

इंटरनेट मीडिया कंपनियों को 24 घंटे में शिकायतों को करना होगा स्वीकार, समिति बनाने पर विचार कर रही सरकार

नई दिल्ली। इंटरनेट मीडिया पर सामग्री और अन्य मुद्दों से संबंधित उपभोक्ताओं की शिकायतों को कंपनियां जिस तरह निपटाती हैं, उन पर विचार के लिए सरकार अपीलीय समिति गठित करना चाहती है। दिग्गज इंटरनेट मीडिया कंपनी मेटा और माइक्रोब्लागिंग साइट ट्विटर अपनी अपीलीय समिति के गठन पर जोर दे रहे हैं। दूसरी तरफ, इलेक्ट्रानिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय तीन सदस्यीय समिति गठित करने के पक्ष में है, जो शिकायतों पर विचार करेगी।

मेटा के पास फेसबुक और वाट्सएप का स्वामित्व है। समिति का गठन सूचना प्रौद्योगिकी कानून, 2021 में बदलाव के जरिये किया जाएगा। इस बात का प्रविधान करने पर विचार किया जा रहा है, जिसमें

इंटरनेट मीडिया कंपनियों को 24 घंटे में उपभोक्ताओं की शिकायतों को स्वीकार करना होगा। इन शिकायतों का 15 दिनों में समाधान भी करना होगा। इंटरनेट मीडिया के शिकायत अधिकारी के फैसले से यदि कोई यूजर संतुष्ट नहीं है, तो वह 30 दिनों के भीतर अपीलीय समिति से संपर्क कर सकता है। शिकायतों का दायरा बाल यौन शोषण सामग्री से लेकर पेटेंट का उल्लंघन, गलत सूचना देने और देश की एकता तथा अखंडता के लिए खतरा उत्पन्न करने वाली सामग्रियों तक से संबंधित हो सकता है।

अगले लोकसभा चुनाव में गलत सूचनाएं फैलने से रोकेगा यूट्यूब

यूट्यूब ने गुरुवार को कहा कि उसके पास 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए एक स्पष्ट नीति है। इस दौरान वह गलत सूचनाओं को जल्द-से-जल्द हटाएगा और व्यापक दृष्टिकोण से काम करेगा। एक कार्यक्रम में यूट्यूब के मुख्य उत्पाद अधिकारी नील मोहन ने कहा, कहां वोट डालना है, किस तरह वोट डालना है, प्रत्याशियों का दायित्व क्या है, इनको लेकर हम सुनिश्चित करेंगे कि कोई गलत सूचना नहीं फैले।

देश के सभी 300 एडवांस लाइट हेलीकॉप्टरों की उड़ान पर रोक लगी

नई दिल्ली। अरुणाचल प्रदेश के अपर सियांग जिले में पिछले सप्ताह क्रैश हुए सेना के एडवांस लाइट हेलीकॉप्टर (एएलएच) रुद्र की प्राथमिक जांच में इंजन की खराबी का पता चला है। इसके बाद एहतियात के तौर पर देश के सभी 300 से अधिक एएलएच की उड़ान पर रोक लगा दी गई है। सुरक्षा जांच पूरी होने पर दो दिनों के बाद फिर से इनके उड़ान भरने की उम्मीद है। इस दुर्घटना में मारे गए दोनों पायलटों समेत सभी 5 लोगों के शव पहले ही बरामद किए जा चुके हैं।

अरुणाचल प्रदेश के ऊपरी सियांग जिले में 21 अक्टूबर को भारतीय सेना के हेलीकॉप्टर रूद्र ने लिकाबली से उड़ान भरी थी, लेकिन टूटिंग हेडक्वार्टर से 25 किमी. दूर सिंगिंग गांव के पास क्रैश हो गया है। इसमें 2 पायलट समेत 5 लोग सवार थे, जिन्हें खोजने के लिए सेना के दो एएलएच और वायु सेना के एक एमआई-17 हेलीकॉप्टर के साथ रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया।दुर्घटनाग्रस्त अटैक हेलीकॉप्टर ध्रुव का वेपन सिस्टम इंटीग्रेटेड (डब्ल्यूएसआई) एमके-द्वद्ध संस्करण है। घटना के कारणों का पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ इंक्वायरी के आदेश दिए गए थे। इस हेलीकॉप्टर में दो पायलटों के अलावा तीन अन्य लोग भी सवार थे। सभी लोगों के शव दो दिन के भीतर दुर्घटनास्थल से बरामद कर लिए गए थे। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार हेलीकॉप्टर दुर्घटना की प्राथमिक जांच में इंजन संबंधी समस्याओं के कारण यह हादसा होने की संभावना जताई गई है। हालांकि, हथियारयुक्त उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर (एएलएच) के दुर्घटनाग्रस्त होने के सटीक कारणों का निर्धारण कोर्ट ऑफ इंक्वायरी

(सीओआई) करेगी।

इस बीच, तीनों सेनाओं और भारतीय तटरक्षक बल के बेड़े में शामिल सभी 300 से अधिक एएलएच की उड़ान को एहतियात के तौर पर सुरक्षा जांच के लिए रोक दिया गया है। दो दिनों में जांच पूरी होने के बाद ही फिर से उड़ान भरने की अनुमति मिलने की उम्मीद है। सभी हेलीकॉप्टरों के इंजनों के अलावा अन्य तकनीकी जांच की जाएगी। इस प्रक्रिया से जुड़े एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह पूरी तरह से एहतियाती कदम है और बड़ी दुर्घटना की स्थिति में ऐसा किया जाता है।

सूत्रों से पता चला है कि सेना की जांच शनिवार तक, जबकि वायुसेना की जांच शुक्रवार तक पूरी होने की उम्मीद है। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने घटना पर एक बयान में कहा कि उड़ान से पहले हेलीकॉप्टर संचालन के लिए मौसम अच्छा बताया गया था, लेकिन दुर्घटना से तत्काल पहले पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को तकनीकी या यांत्रिक खराबी की जानकारी दी थी। प्रवक्ता ने कहा कि इस पर कोर्ट ऑफ इंक्वायरी का फोकस होगा, जिसे दुर्घटना के कारणों की जांच के लिए तुरंत गठित किया गया था।

तीनों सेनाओं और भारतीय तटरक्षक बल के बेड़े में शामिल लगभग 300 एडवांस लाइट हेलीकॉप्टर (एएलएच) विभिन्न प्रकार की उड़ान भर रहे हैं जिनमें मार्क-1, मार्क-2, मार्क-3 और मार्क-4 शामिल हैं, जिन्हें रुद्र वेपन सिस्टम इंटीग्रेटेड (डब्ल्यूएसआई) भी कहा जाता है। पिछले हफ्ते क्रैश हुआ एएलएच डब्ल्यूएसआई वेरिएंट था। सेना 145 से अधिक स्वदेशी एएलएच संचालित करती है, जिनमें से 75 रुद्र हथियारयुक्त संस्करण हैं। अन्य 25 एएलएच मार्क-3 ऑर्डर पर हैं, जो दो साल के भीतर शामिल किए जाएंगे।

दुर्घटना में मारे गए दोनों पायलटों को संयुक्त रूप से एएलएच डब्ल्यूएसआई वेरिएंट पर 600 घंटे से अधिक उड़ान भरने का अनुभव था। दुर्घटनाग्रस्त हुए एएलएच डब्ल्यूएसआई को जून, 2015 में सेवा में शामिल किया गया था। एचएएल रुद्र को एएलएच-डब्ल्यूएसआई के नाम से भी जाना जाता है, एचएएल ध्रुव उपयोगिता हेलीकॉप्टर का एक सशस्त्र संस्करण है जिसे हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने डिजाइन और निर्मित किया है। भारतीय सेना के 75 हेलीकॉप्टर जून, 2021 तक सेवा में हैं और 25 अन्य हेलीकॉप्टरों के लिए ऑर्डर दिया जा चुका है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

नफरत की आफत

दरअसल, कोर्ट ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड पुलिस को इस बाबत कार्रवाई करने के लिये नोटिस भी भेजे थे। हाल ही में एक सभा में संप्रदाय विशेष के लोगों के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप दिल्ली के भाजपा सांसद पर लगे थे। इसे अल्पसंख्यकों को निशाने पर लेने तथा भयभीत करने वाला बयान बताते हुए इसके बाबत अदालत में याचिका दायर की गई थी, जिसके आलोक में कोर्ट ने हालिया टिप्पणी की थी।

पुलिस-प्रशासन की जिम्मेदारी तय की जाये/ देश की शीर्ष अदालत ने आखिरकार सख्त टिप्पणी करते हुए चेता दिया है कि देश के संविधान में एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र की परिकल्पना की गई है। नफरत फैलाने वाले बयानों और भाषणों को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। कई राज्यों में सांप्रदायिक तनाव बढ़ाने वाले बयानों के मामले सामने आने के बाद कोर्ट ने संबंधित राज्यों की पुलिस को दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिये थे। इस मामले में जरूरी कार्रवाई न होने के बाद कोर्ट ने प्रशासन को चेताया है कि यदि प्रशासन ऐसे मामलों में सख्ती नहीं दिखाता है तो उसके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई होगी। दरअसल, कोर्ट ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड पुलिस को इस बाबत कार्रवाई करने के लिये नोटिस भी भेजे थे। हाल ही में एक सभा में संप्रदाय विशेष के लोगों के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप दिल्ली के भाजपा सांसद पर लगे थे। इसे अल्पसंख्यकों को निशाने पर लेने तथा भयभीत करने वाला बयान बताते हुए इसके बाबत अदालत में याचिका दायर की गई थी, जिसके आलोक में कोर्ट ने हालिया टिप्पणी की थी। इससे पहले कई राज्यों में आयोजित धर्म संसदों में भी जहरीले बोल सामने आये थे, जिसकी देश ही नहीं बल्कि कई अन्य देशों में भी तीखी प्रतिक्रिया हुई थी। इस पर अदालत ने इन राज्यों की पुलिस से दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने को कहा था। अदालत का कहना था कि पुलिस प्रशासन ऐसे मामलों में किसी रिपोर्ट लिखवाने का इंतजार करे बिना स्वत- संज्ञान लेते हुए तुरंत कार्रवाई करे। कहने की बात नहीं कि ऐसे भड़काऊ बयानों से सामाजिक समरसता को आंच आती है। समाज में नफरत बढ़ने से टकराव की स्थिति पैदा होती है। विडंबना यह कि जिन राजनीतिक दलों को इन बयानों से लाभ होता नजर आता है उनकी तरफ से भी ऐसे तत्वों के खिलाफ कोई कार्रवाई होती नजर नहीं आती, जिससे ऐसे नकारात्मक सोच वाले तत्वों के हौसले बुलंद होते हैं। ऐसा भी नहीं है कि ऐसे बयान बहुसंख्यक समाज के धार्मिक व राजनीतिक नेताओं की तरफ से ही आते हैं। अल्पसंख्यकों के नेतृत्व का दावा करने वाले कुछ राजनेता भी जब-तब भड़काऊ बयान देते हैं जिसके जरिये वे वोटों का अपने पक्ष में ध्रुवीकरण करने का प्रयास करते हैं। सवाल यह है कि ऐसे बयानवीरों के खिलाफ पुलिस तुरंत कार्रवाई क्यों नहीं करती। जिसकी वजह से छुटभैया नेताओं के हौसले बढ़ते हैं। इतना ही नहीं, पुलिस-प्रशासन की उदासीनता के चलते कुछ न्यूज चैनल भी गाहे-बगाहे उत्तेजक बहस अपने प्राइम टाइम में आयोजित करते दिखते हैं। जिससे संयम खोने वाले नेता ऐसे बयान दे जाते हैं कि पूरे देश में कड़वाहट घुल जाती है। पिछले दिनों एक सत्तारूढ़ दल की एक महिला प्रवक्ता के बयान के बाद भारत पूरी दुनिया में बचाव की मुद्रा में नजर आया और सफाई देने को मजबूर होना पड़ा था। धर्मनिरपेक्ष स्वरूप को ठेस पहुंचाने से रोकने वाले तमाम कानूनी प्रावधान होने के बावजूद पुलिस-प्रशासन आखिर कार्रवाई करने में क्यों चूकते हैं? कोर्ट स्पष्ट कर चुकी है कि इसकी जवाबदेही शीर्ष अधिकारियों की बनती है। पिछली रामनवमी पर हुई हिंसा के बाद समय रहते कार्रवाई न होने पर ये घटनाएं कालांतर कई राज्यों में फैल गई थीं। इस मामले में भी शीर्ष अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की बात कही गई थी। निस्संदेह ऐसी घटनाओं से भारत की सहिष्णुता की छवि को आंच आती है। विडंबना यह है कि आज हम उस दौर में आ गए हैं कि समाज का नेतृत्व करने वाला वर्ग ऐसी घटनाओं के होने पर शांति के लिये रचनात्मक भूमिका का निर्वहन नहीं करता। पहले जिम्मेदार लोग शांति व्यवस्था बनाने के लिये आगे आते थे। इन घटनाओं में वार्ड व सेक्टर स्तर पर बनी शांति समितियां महत्वपूर्ण भूमिका पुलिस प्रशासन के सहयोग से निभाती थीं। निस्संदेह, अधिकारों के साथ ही संविधान ने हमें कुछ कर्तव्यों के निर्वहन का दायित्व भी सौंपा है।

सूक्ति

परोपकारी अपने कष्ट को नहीं देखता, क्योंकि वह परकष्ट जनित करूणा से ओत-प्रोत होता है।
- संत तुकाराम

अपनी पीड़ा तो पशु-पक्षी भी महसूस करते हैं, मनुष्य वह है जो दूसरों की वेदना को अनुभव करे।
- रसनिधि

लॉफिंग ज़ोन

मुरारी लाल रामलीला में रावण का रोल कर रहा था. रावण के दरबार का सीन चल रहा था जिसमें अंगद रावण के दरबार में अपना पांव जमा कर कहता है, 'है कोई माई का लाल जो मेरा पैर हिला दे?' अंगद के फर्श पर जोर से पैर मारते ही बिजली चली गई तो रावण बने मुरारी लाल ने अपने दरबारियों से कहा, 'तुम में से 5-6 आदमी अंगद का पैर उठाने की कोशिश करो और बाकी लोग बाहर जाकर चैक करो किसी दुष्ट ने बिजली का फ्यूज तो नहीं उड़ा दिया.'

☺ ☺ ☺

रजनी ने अपने साथ काम करने वाली टाइपिस्ट से कहा, 'आज सुबह मेरा मूड इतना अच्छा था कि मैंने एक मांगने वाले को 1000 रुपए दे दिए.'

सहेली हैरान होकर बोली, 'हजार रुपए मांगने वाले को दे दिए तो तुम्हारे पति ने कुछ नहीं कहा.'

-'कहा था.'

-'क्या?'

-'थैंक यू रजनी.'

☺ ☺ ☺

एक नेत्र विशेषज्ञ ने रोगी की जांच करने के बाद कहा, 'ऐनक लगानी पड़ेगी.'

रोगी ने चकित होते हुए कहा- 'डाक्टर साहब, ऐनक तो पहले से ही आंखों पर लगी हुई है.'

डाक्टर ने भी संभलते हुए कहा 'मेरा मतलब है कि मुझे ऐनक लगानी पड़ेगी.'

कोविड संकट से उपजी नयी चुनौतियां

लेखक- गुरबचन जगत

पहले से बहुत अधिक कर्जाई देशों के लिए आगामी ऋण-दर की शर्तों में मुश्किलें बढ़ी हैं। इस परिप्रेक्ष्य में मुझे उस मुल्क का मंजर दिखता है जो भविष्य में दुनियाभर में सबसे ज्यादा आबादी वाला होगा। वह देश, जिसने अभी 75वीं स्वतंत्रता वर्षगांठ मनाई है। छोटी अवधि में चोटी की पांच-छह अर्थव्यवस्थाओं में जगह बनाई है। अफसोस, फिर भी प्रति व्यक्ति आय निम्न है, जिसकी जनसंख्या का विशाल हिस्सा अच्छे हालात में नहीं जी रहा है। सरकार के अपने आंकड़ों के मुताबिक 80 करोड़ जनता को जिंदा रखने की खातिर दाल-चावल-आटा दिया गया है।

जैसै-जैसे दुनिया कोविड महामारी से उबरती जा रही है, इससे उत्पन्न मेडिकल और स्वास्थ्य परिणामों के अलावा हमें जिन समस्याओं सामना करना पड़ रहा है वे आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक हैं। अनेकानेक लॉकडाउन, बंद-खुलने के चरण, घर से काम, लंबी छुट्टियां इत्यादि का गहरा असर इंसान के आर्थिक, सामाजिक और मनोस्थिति वाले पहलुओं पर पड़ा है। इस छिन्न-भिन्नता ने स्रोतों और क्षमता को सीमित करने के अलावा पहले से मौजूद उन कमियों को और गंभीर बना दिया है, जो मानव सभ्यता के राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक ताने-बाने में सदा रही हैं। अमेरिका, यूरोप और अन्य विकसित एवं विकासशील मुल्कों की सरकारों की वाणिज्यिक और वित्तीय नीतियों के असर से अर्थव्यवस्था में नकदी का प्रवाह बढ़ने के परिणामवश बहुत ऊंची दर की मुद्रास्फीति पैदा हो गई है। रूस-यूक्रेन युद्ध ने इसमें और इजाफा किया है, नतीजतन, हालात पर काबू पाने के लिए केंद्रीय बैंकों द्वारा रेपो दर में की गयी बढ़ोतरी ने विकासशील देशों की आर्थिकी पर काफी दबाव पैदा कर दिया है। श्रीलंका, रूस और बेलारूस का हाल हम देख चुके हैं। 'द गार्जियन' अखबार के हालिया लेख के अनुसार निम्न आय वाले देशों में 60 प्रतिशत और उभरती अर्थव्यवस्थाओं में 25 फीसदी की आर्थिकी या तो और कर्जाई हुई है या फिर होने की कगार पर है। वैश्विक मौद्रिक स्थिति ने डॉलर का भाव चढ़ा दिया है। चूंकि उभरती अर्थव्यवस्थाओं में 90 फीसदी का लेन-देन डॉलर आधारित है, लिहाजा अमेरिकी मुद्रा मजबूत होने से ऋण-अदायगी बेहद महंगी हो जाती है। पहले से बहुत अधिक कर्जाई देशों के लिए आगामी ऋण-दर की शर्तों में मुश्किलें बढ़ी हैं। इस परिप्रेक्ष्य में मुझे उस मुल्क का मंजर दिखता है जो भविष्य में दुनियाभर में सबसे ज्यादा आबादी वाला होगा। वह देश, जिसने अभी 75वीं स्वतंत्रता वर्षगांठ मनाई है। छोटी अवधि में चोटी की पांच-छह अर्थव्यवस्थाओं में जगह बनाई है। अफसोस, फिर भी प्रति व्यक्ति आय निम्न है, जिसकी जनसंख्या का विशाल हिस्सा अच्छे हालात में नहीं जी रहा है। सरकार के अपने आंकड़ों के मुताबिक 80 करोड़ जनता को जिंदा रखने की खातिर दाल-चावल-आटा दिया गया है। यह वंचित वर्ग महामारी उपरांत हालात का सामना कैसे करेगा? यदि हम अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा भारत को भूख-सूचकांक या आर्थिक असमानता पर दिए स्थान को नज़रअंदाज कर भी दें, तो भी सच्चाई सामने है। बेरोजगारी हो या मुद्रास्फीति, महामारी ने इसमें इजाफा ही किया है। पिछले कुछ दिनों में, मुझे मीडिया में उ.प्र. सरकार द्वारा विज्ञापित नौकरियों की परीक्षा देने की खातिर लखनऊ या अन्य शहरों तक पहुंचने वाले हजारों युवाओं के रेलवे प्लेटफार्मों पर रहने की तस्वीरें देखने को मिलीं। विज्ञापित नौकरियों की सही गिनती का तो पता नहीं अलबत्ता बेरोजगारों का बड़ा हुजूम दिखा। इस दृश्यावली से लगभग दो-ढाई साल पहले की याद ताजा हुई, जब लॉकडाउन उपरांत लाखों-लाख अप्रवासी मजदूर शहरों से अपने गांव जाने को मजबूर हुए थे... पैदल, साइकिल, ट्रक, रेल या जिस किसी भी साधन से। मौजूदा मंजर गांवों से शहरों की ओर विपरीत-पलायन जैसा है। पिछले कुछ सालों में यह सब युवा कहां होंगे, जाहिर है या तो बेरोजगार या फिर मनरेगा के तहत मजदूरी पर। ग्रामीण युवाओं में सरकारी नौकरी की चाहवान यह भारी भीड़ सिद्ध करती है कि कृषि क्षेत्र उन्हें खपा नहीं पा रहा। वैसे भी, दशकों तक बंटते गए खेतों के कारण कृषि व्यवसाय से आय न्यूनतम स्तर तक सिमटती गई और इसमें सुधार करने को लेकर सरकारें बेपरवाह हैं। इतने विशाल पैमाने की बेरोजगारी, नीचे लुढ़कता रुपया, उच्च मुद्रास्फीति, बढ़ती आर्थिक असमानता और कोविड महामारी द्वारा बरपाए कहर के नतीजे ने हमारे मुल्क की अंदरूनी और बाहरी सुरक्षा को खतरा पैदा कर दिया है। आंतरिक तौर पर, हम रोजमर्रा के गंभीर अपराधों इत्यादि में बढ़ोतरी देख रहे हैं। यहां मैं कोई आंकड़े नहीं देने जा रहा। चूंकि मैं पुलिस और प्रशासनिक ओहदों पर रहा हूं, लिहाजा जानता हूं कि ये कितने भ्रामक हो सकते हैं। कानून-व्यवस्था की सही हालत जानने के लिए यही सूचकांक सवाल काफी है - क्या किसी इलाके के नागरिक खुद को महफूज महसूस करते हैं या नहीं? इस पैमाने के अनुसार, शहरी क्षेत्रों के बाशिंदे, खासकर देश के उत्तरी और उत्तर-पूरबी भारत के महानगरों में, बिल्कुल भी नहीं। अपहरण, बलात्कार, झपटमारी की वारदातें गहरा मनोवैज्ञानिक असर छोड़ती हैं। हम कभी नहीं जान पाते कि कितने अभियुक्तों को वास्तव में सजा हुई- मुझे यकीन है इसका प्रतिशत शोचनीय रूप से न्यून होगा। हाल ही में शहरी और ग्रामीण इलाकों में एक अन्य चलन में इफाजा हुआ है और वह है सुनियोजित अपराधी गुटों (गैंग्स) की बढ़ती संख्या। कभी हम न्यूयॉर्क, शिकागो, पेरिस या फिर मुंबई के गैंग्स के बारे में पढ़ा करते थे लेकिन भारत के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में सक्रिय गैंग? अब वे स्वचालित हथियारों और संचार साधनों से लैस होकर खुलेआम विचरते हैं। वे इंटरनेट पर अगले शिकार की घोषणा करते हैं या स्वदेशी-विदेशी भूमि से धमकियां जारी करते हैं। उनकी धरपकड़ के बारे में खबरें जारी होती हैं, हथियार बरामद होते हैं लेकिन नित नए गैंग पैदा हो रहे हैं। लगता है कि बेरोजगार युवाओं की विशाल संख्या उनकी भर्ती का मैदान है, फिर गैंगस्टरों से जुड़ा ग्लैमर तो है ही। लोकगायक उनकी 'उपलब्धियों' के गुणगान करते हैं और नई हिंसक संस्कृति का विकास हो रहा है। इसके अलावा, नशा-संस्कृति फल-फूल रही है, उपभोक्ता और स्मगलर दोनों की गिनती बढ़ रही है। पहले नशा शराब, अफीम, गांजे के रूप में होता था अब कोक, हेरोइन, नशीली गोलियों का चलन है। शहरी हों या ग्रामीण, हर कोई आदी हो रहा है। इस मुनाफादायक धंधे को स्मगलरों के बड़े गुट चला रहे हैं। गुजरात और महाराष्ट्र के बंदरगाहों पर नशे की खेप कंटेनरों से मिलने की खबरें निरंतर आती रही हैं- इसके पीछे कौन लोग हैं? पहले हमें इस धंधे के कुछ जाने-पहचाने स्मगलरों, पैसा लगाने वाले, आपूर्ति कारिंदों इत्यादि की शिनाख्त थी, लेकिन अब आसपास कौन है, कुछ नहीं पता नहीं। हमारे युवाओं, अर्थव्यवस्था और आंतरिक सुरक्षा को जो नुकसान ये तत्व बहुत ज्यादा पहुंचा रहे हैं। इन करतूतों में शामिल गैंग्स की देश की आंतरिक सुरक्षा के खिलाफ सक्रिय तत्वों के साथ सांठ-गांठ है। ये उनके स्थानीय संपर्क और आपूर्ति माध्यम हैं- विदेशी एजेसियां उन्हें नशा मुहैया करवाती हैं और बदले में ये तत्व भारत में अराजकता पैदा करने में मदद करते हैं। यही कारण है कि हमें सीमा पर चौकस रहने की अत्यधिक जरूरत है और अब जब से ड्रोन आने लगे हैं, आसमान की निगरानी भी जरूरी है। विगत में हम उत्तर-पूरबी भारत, पंजाब और जम्मू-कश्मीर में पृथकतावादी लहर देख चुके

हैं। हालांकि फिलहाल उत्तर-पूरबी सूबे कमोबेश शांत हैं, लेकिन सतह के नीचे अशांति कायम है। केंद्र सरकार की मर्जी के खिलाफ मिजोरम सरकार ने सूबे में हजारों रोहिंग्या शरणार्थी आने दिए। म्यांमार और बांग्लादेश की सीमा से लगे राज्यों में स्मगलिंग बहुतायत में है। अनेकानेक बाध्यताओं के कारण हमारे सीमा बल उतने प्रभावी नहीं हैं, जितने होने चाहिए। पंजाब में फिर से अशांति पैदा करने के यत्न जारी हैं और लगता है भड़काने वाले विदेशों से आ रहे हैं... मास्टरमाइंड और धन देने वाले, दोनों ही। इस बाबत विदेशी सरकारें हमारी मदद के लिए इच्छुक नहीं लगतीं। फौरी कार्रवाई के लिए उच्चतम राजनीतिक और राजनयिक स्तरों पर काम करने की आवश्यकता है। जम्मू-कश्मीर में घाटी और राजौरी, पुंछ और डोडा के दीगर क्षेत्र अशांत बने हुए हैं। पंडितों, गैर-कश्मीरियों, पुलिस एवं सुरक्षा कर्मियों की टारगेट-किलिंग राजधानी श्रीनगर तक में हो रही है। लगता है केवल 'डंडा चलाने' वाली गैर-लचीली नीति पूर्णरूपेण वांछित परिणाम नहीं दे पा रही। इसी बीच, सुरक्षा बल, पीएमएफ और पुलिस स्रोत इस काम में प्रतिबद्धता से जुटे हुए हैं। मुझे याद है, कारगिल युद्ध के दौरान, रातों-रात घाटी में तैनात सभी फौजी अग्रिम मोर्चे पर भेज दिए गए थे और इनकी जगह राष्ट्रीय राइफल्स ने ली। तभी मैं उन लोगों में एक हूं जिनका मत है कि सेना को आंतरिक सुरक्षा के काम से मुक्त रखा जाना चाहिए। अब जो हालात हैं और सैन्य बलों और जवानों की भर्ती के ढांचे में जो बदलाव किये गए हैं, उससे हालात बिगड़ भी सकते हैं। चीन और पाकिस्तान की सीमा पर जो खतरे मंडरा रहे हैं, उसके परिप्रेक्ष्य में, तरजीह देकर समस्याओं के लिए योजना बनाना व्यावहारिक होगा। थल और जलीय सैन्य बलों को सुदृढ़ बनाने की जरूरत है, खासकर उन इलाकों में, जहां सेंधमारी की संभावना बहुत है। चीन के ताजा आक्रामक व्यवहार और पाकिस्तान-अमेरिका के रिश्तों में सुधार के आलोक में, हमें पूर्वानुमान लगाकर चौकस रहना होगा। जबकि रूस-यूक्रेन युद्ध जारी है, इन सबका असर वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा और तेल कीमतों पर होगा। हमें अपने तमाम मोर्चों पर नजर रखनी होगी। कुल मिलाकर, कोविड महामारी ने अपने पीछे छिन्न-भिन्न अर्थव्यवस्था, उच्च मुद्रास्फीति, बढ़ती बेरोजगारी और आय-असमानता के रूप में अपने निशान छोड़े हैं। यह समय है क्षुद्र वोट-बैंक राजनीति को किनारे करने और आसन्न चुनौतियों के परिप्रेक्ष्य में एकता बनाने का।

लेखक मणिपुर के राज्यपाल,संघ लोकसेवा अयोग अध्यक्ष और जम्मू-कश्मीर में पुलिस महानिदेशक रहे हैं।

रूस-यूक्रेन संघर्ष के बीच भारत की अहमियत

पुष्परंजन

रूसी रक्षा मंत्री जनरल सर्गेई शोइगु से उनके समकक्ष राजनाथ सिंह सितंबर, 2020 में मास्को में मिले थे। तब चीन के साथ सीमा पर तनातनी थी। कालचक्र देखिये कैसे घूमता है। 26 अक्तूबर, 2022 को जनरल सर्गेई ने फोन पर राजनाथ सिंह से अपनी समस्या के लिए बात की। उनकी चिंता यूक्रेन में तथाकथित डर्टी बम को लेकर है। जनरल सर्गेई ने ऐसी ही बातें चीन के प्रतिरक्षा मंत्री वेई फेंघी से भी की हैं। भारत-चीन के दोनों समकक्षों से सर्गेई ने यदि अपनी चिंताएं साझा की हैं, तो इसके रणनीतिक मायने हैं। रक्षा मंत्री जनरल सर्गेई के साथ-साथ सेना प्रमुख वलेरी गेरासिमोव ने भी पश्चिमी देशों में अपने समर्थक सेनाध्यक्षों को फोन करके कहा, कि यूक्रेन विनाशकारी डर्टी बम के निर्माण में लगा है। इसके बरअक्स यूक्रेन के विदेशमंत्री दिमित्रो कुलेबा ने विएना स्थित अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा अधिकरण (आईएईए) को पत्र लिखकर जांचकर्ताओं को तत्काल भेजने की मांग की है। 'आईएईए' के डीजी, राफाएल ग्रोसी ने कहा है कि हमारे एक्सपर्ट जल्द यूक्रेन जाएंगे। डर्टी बम का डर कभी इराक में पैदा किया गया था। वह मुल्क सद्दाम हुसैन सहित तबाह हो गया। वही डर इस समय यूक्रेन में है। भारत ने 25 अक्तूबर, 2022 को एक बार फ़िर एडवाइज़री जारी की है कि यूक्रेन में जो बचे-खुचे भारतीय हैं, वो तत्काल देश छोड़ दें। डर्टी बम को परमाणु बमों की तुलना में बनाना आसान और काफी सस्ता है। इसे 'रेडियोलॉजिक डिस्पर्सन डिवाइस' भी कहते हैं। मारक मामले में ये बहुत सटीक नहीं होते। मगर इससे एक सीमित इलाके में जान-माल का नुकसान तो होता ही है। डर्टी बमों में डायनामाइट जैसे पारंपरिक विस्फोटक का प्रयोग होता है। इन्हें रेडियोधर्मी पदार्थ के साथ पैक किया जाता है। धमाके के जोर से रेडियोधर्मी पदार्थ वातावरण में फैलते हैं। वही रेडियोधर्मी पदार्थ की मात्रा इसे घातक बनाती है। अब तक दुनिया में किसी हिस्से में डर्टी बम के विस्फोट का रिकॉर्ड नहीं है। मगर, 1998 में चेचेन्या में एक रेल लाइन के पास इस तरह के धमाके की कोशिश नकाम की गई थी। 2002 में शिकागो के पास एक अमेरिकी नागरिक खोसे पेडिला को डर्टी बम की तैयारी के शक में पकड़ा गया था। उसके संबंध अल क़ायदा से बताये गये थे। खोसे पेडिला को 21 साल की जेल हुई थी। तीसरा था सद्दाम हुसैन, जिस पर यूएस इंटेलिजेंस ने शक किया था कि उसने अपने एटमी वैज्ञानिकों को डर्टी बम बनाने के आदेश दिये थे। इन तीनों घटनाओं के अलावा कुछ ऐसा नहीं मिलता। इस समय यूक्रेन के चार एटमी प्लांट्स में 15 रिएक्टर संचालित हैं। 'आईएईए' से जांचकर्ताओं की टीम खेमलनिस्की, रिव्ने, यूज़नूयूक्रेंस, ज़ापोरिझिया न्यूक्लियर प्लांट में से कहां जाती है, अभी स्पष्ट नहीं किया गया है। सात माह पहले, 30 मार्च, 2022 को मास्को ने दावा किया था कि यूक्रेन में ख़तरनाक वायरस स्टोर किए गए हैं, जिसे रूस के खिलाफ इस्तेमाल किया जा सकता है। तब कहा गया था कि अमेरिका के पास 30 देशों में 336 जैविक अनुसंधान लैब हैं, जिनमें 26 प्रयोगशालाएं यूक्रेन में हैं। मास्को ने संदेह व्यक्त किया था कि अमेरिका की मदद से यूक्रेन इन लैब्स के ज़रिए रूस पर जैविक हथियारों से हमला कर सकता है। इस बार भी रूस ने ऐसे किसी लैब का नाम नहीं लिया, इससे 'आईएईए' के जांचकर्ताओं में कन्फ्यूज़न बढ़ सकती है। अब सवाल यह है कि क्या यही सब बताने के वास्ते रूसी रक्षा मंत्री जनरल सर्गेई ने फोन किया था, या कोई और एजेंडा है? यह बात समझ में आती है कि समरकंद एससीओ बैठक में प्रधानमंत्री मोदी यूक्रेन मामले में जो नसीहत प्रेसिडेंट पुतिन को दे आये थे, उसके हवाले से भारत को रणभूमि की वस्तुस्थिति से अवगत कराना रूसी सत्ता प्रतिष्ठान आवश्यक समझता है। भारत इस समय शंघाई कॉर्पोरेशन आर्गेनाइजेशन (एससीओ) का अध्यक्ष देश है, अगले साल इसकी शिखर बैठक भी यहां होनी है। शायद ये वजहें हैं कि पुतिन भारत को भरोसे में लेना ज़रूरी समझते हों। लेकिन इससे अलग जो सैन्य साज़ो-सामान भारत, रूस से मंगा रहा है, उसकी पेमेंट की दिक्क़तें भी दरपेश होने लगी हैं। 2023 तक रूस को एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम की सभी पांच रेजिमेंट्स की डिलीवरी भारत को कर देनी है। इस वास्ते 200 विशेषज्ञों की एडवांस ट्रेनिंग भी रूस में हो चुकी है। इसके एवज में 5.5 अरब डॉलर का पेमेंट भारत किस रूप में रूस को कर पायेगा? संभवतः बातचीत के एजेंडे में यह भी शामिल हो। जून, 2022 तक भारत-रूस का व्यापार 11 अरब डॉलर को पार कर चुका था। लक्ष्य यह है कि 2025 आते-आते उभयपक्षीय व्यापार 30 अरब डॉलर को छू जाए। मार्च, 2021 में सिपरी की रिपोर्ट थी कि भारत, रूस से 49 प्रतिशत, फ्रांस से 18 फीसद, और इस्राइल से 13 प्रतिशत सैन्य साजो-सामान का आयात करता है। मगर, समस्या भुगतान की है। डॉलर के इस संकटकाल में चीन ने क्रास करेंसी का मार्ग चुना है। 'क्रास करेंसी' डॉलर के बदले दूसरे देशों की मुद्राओं को पेमेंट मोड में लाने की कवायद है। चीनी सेंट्रल बैंक ने विकल्प दिया है कि दुनिया के देश चाहें तो हमसे युआन लेकर व्यापार करें। यों, 2021 में भारतीय रिज़र्व बैंक ने क्रास करेंसी के रूप में युआन को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया था। जुलाई, 2022 के पहले हफ्ते ख़बर आई कि भारत की एक सीमेंट निर्माता कंपनी को रूस से कोयले की खेप मंगाने के वास्ते चीनी मुद्रा 'युआन' में पेमेंट करना पड़ा था। वजह ग्राज़प्रोमबैंक और यूको बैंक के वोस्त्रो अकाउंट्स में हो रही बाधाएं हैं। अब भारत सरकार को स्पष्ट करना है कि रूस समेत दूसरे देशों से आयात के वास्ते पेमेंट में रनमिनपी (युआन) का हम कितना इस्तेमाल कर रहे हैं? रूसी रक्षा मंत्री क्या चीन और भारत के बीच कोआर्डिनेशन की कोशिश में हैं? कई सारे सवाल हैं। संभवतः रूसी रक्षा मंत्री जनरल सर्गेई शोइगु अपने समकक्ष राजनाथ सिंह से इसलिए संवाद कर रहे हों, ताकि भारत-चीन रिश्तों में भरोसे का जो भूस्खलन हुआ है, उसे दुरुस्त किया जा सके। रूस इन दिनों चीन, अफ़ग़ानिस्तान, सेंट्रल एशियाई देशों, ईरान-पाकिस्तान, तुर्की और सऊदी अरब की नई धुरी तैयार करने की कवायद में है। भारत को कैसे अपने आईने में उतारें, इसकी चिंता से मास्को मुक्त नहीं है। यूक्रेन के सवाल पर भारत, संयुक्त राष्ट्र से लेकर समरकंद तक अपनी तटस्थता जाहिर कर चुका है। यह तटस्थता ही भारत की ताक़त बन चुकी है, वरना जनरल सर्गेई शोइगु को यह बताने की ज़रूरत नहीं थी कि मास्को डर्टी बम से डर रहा है।

(चिंतन-मनन)

सुखी रहना है तो ईश्वर से शिकायत न करें

इंसानों की एक सामान्य आदत है कि तकलीफ में वह भगवान को याद करता है और शिकायत भी करता है कि यह दिन उसे क्यूं देखने पड़ रहे हैं। अपने बुरे दिन के लिए इंसान सबसे ज्यादा भगवान को कोसता है। जब भगवान को कोसने के बाद भी समस्या से जल्दी राहत नहीं मिलती है तो सबसे ज्यादा तकलीफ होती है। इसका कारण यह है कि उसे लगता है कि जो उसकी मदद कर सकता है वही कान में रूई डालकर बैठा है। इसलिए महापुरूषों का कहना है कि दुख के समय भगवान को कोसने की बजाय उसका धन्यवाद करना चाहिए। इससे आप खुद को अंदर से मजबूत पाएंगे और समस्याओं से निकलने का रास्ता आप स्वयं ढूंढ लेंगे। भगवान किसी को परेशानी में नहीं डालते और न ही वह किसी को परेशानी से निकाल सकते हैं। भगवान भी अपने कर्तव्य से बंधे हुए हैं। भगवान सिर्फ एक जरिया हैं जो रास्ता दिखाते हैं चलना किधर है यह व्यक्ति को खुद ही तय करना होता है। भगवान श्री कृष्ण ने गीता में इस बात को खुद स्पष्ट किया है। आधुनिक युग के महान संत रामकृष्ण का नाम आपने जरूर सुना होगा। ऐसा माना जाता है कि मां काली उन्हें साक्षात दर्शन देती थी और नन्हें बालक की तरह रामकृष्ण को दुलार करती थीं। ऐसे भक्त की मृत्यु कैंसर के कारण हुई। मृत्यु के समय इन्हें बहुत की कष्ट का सामना करना पड़ा। रामकृष्ण चाहते तो मां काली से कह कर रोग से मुक्त हो सकते थे। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया और पूर्व जन्म के संचित कर्मों को नष्ट करने के लिए दुःख सहते रहे और अंततः परम गति को प्राप्त हुए। ओशो का मत है कि भक्त भगवान की पीड़ा में जितना जलता है, उतना ही भगवान के करीब होने लगता है। एक दिन वह घड़ी आती है जब भक्त भगवान में विलीन हो जाता है। रामकृष्ण परमहंस का जीवन इसी बात का उदाहरण है। वर्तमान समय में लोग साढ़ेसाती का नाम सुनकर कांपने लगते हैं। लेकिन प्राचीन काल में लोग साढ़ेसाती का इंतजार किया करते थे। इसका कारण यह था कि साढ़ेसाती के दौरान प्राप्त तकलीफों से उन्हें ईश्वर को प्राप्त करने में मदद मिलती थी। साधु संत शनि को मोक्ष प्रदायक कहा करते थे। वर्तमान में शनि डर का विषय इसलिए बन गये हैं क्योंकि मनुष्य सुख भोगी हो गया है और उसकी सहनशीलता कम हो गयी है। शास्त्रों में कहा गया है कि व्यक्ति अपने जन्म-जन्मांतर के संचित कर्मों के कारण ही सुख-दुख प्राप्त करता है। जब तक कर्मों का फल समाप्त नहीं होता है तब तक जीवन मरण का चप्र चलता रहता है। जो लोग सुख की अभिलाषा करते हैं उन्हें बार-बार जन्म लेकर दुःख सहना पड़ता है। इसलिए दुख से बचने का एक मात्र उपाय यह है कि दुःख सह कर भी ईश्वर से शिकायत न करो, सुख अपने हिस्से में स्वयं आ जाएगा।

भारत को 2050 तक 12,100 अरब डॉलर का हरित निवेश चाहिएः रिपोर्ट

मुंबई । देश में हरित निवेश वर्ष 2050 तक बढ़कर 12100 अरब डॉलर तक पहुंचा सकता है। एक रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत का शुद्ध ग्रीन हाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन 2019 के 2.9 गीगाटन से बढ़कर 2070 तक 11.8 गीगाटन कार्बन डाइऑक्साइड के बराबर हो जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार, अगर भारत जलवायु परिवर्तन से लड़ने के अपने प्रयासों को तेज करता है तो वह दुनिया के लिए 287 गीगाटन कार्बन की गुंजाइश बना सकता है। भारत को कार्बन उत्सर्जन मुक्त करने के लिए 2050 तक अनुमानित 12,100 अरब डॉलर (सकल घरेलू उत्पाद का 5.9 प्रतिशत) हरित निवेश की आवश्यकता होगी। भारत ने 2070 तक शुद्ध शून्य कॉर्बन उत्सर्जन का लक्ष्य निर्धारित किया है। पूर्व के अनुमान के अनुसार 2070 तक शून्य कॉर्बन उत्सर्जन के लिए 10,000 अरब डॉलर के निवेश की जरूरत होगी।

केकेआर नेस डिजिटल इंजीनियरिंग का अधिग्रहण करेगी

नई दिल्ली । वैश्विक निवेश कंपनी केकेआर लगभग 50 करोड़ डॉलर में रोहतयन समूह से नेस डिजिटल इंजीनियरिंग का अधिग्रहण करने पर विचार कर रही है। केकेआर ने इस बारे में एक पक्का करार करने की घोषणा की। इसके तहत केकेआर द्वारा रोहतयन समूह से नेस डिजिटल इंजीनियरिंग की शतप्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया जाएगा। मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने बताया कि यह सौदा करीब 50 करोड़ डॉलर का होगा। न्यूजर्सी मुख्यालय वाली नेस डिजिटल डिजिटल बदलाव से संबंधित सेवाएं देती है। नेस के पूर्वी यूरोप, अमेरिका, भारत में करीब 4,000 कर्मचारी हैं। केकेआर इंडिया के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि डिजिटल बदलाव और उसे अपनाना दुनियाभर में सभी आकार की कंपनियों के लिए एक महत्वपूर्ण रणनीति है। इसी को देखते हुए नेस वृद्धि के लिए अच्छी स्थिति में है।

डीजीसीए ने स्पाइसजेट को पांच विमान पट्टे पर लेने की अनुमति दी

नई दिल्ली । नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने स्पाइसजेट को छह महीने के लिए पांच बोइंग 737 मैक्स विमानों को वेट लीज पर लेने की अनुमति प्रदान कर दी है। सूत्रों ने बताया कि विमानन नियामक ने स्पाइसजेट को यह मंजूरी अक्टूबर की शुरुआत में ही दे दी थी। पट्टे पर लिए जाने वाले दो विमानों को एयरलाइन पहले से ही विभिन्न मार्गों पर तैनात कर चुकी है। सूत्रों के मुताबिक पट्टे पर लिए जाने वाले बाकी तीन विमानों को भी अगले कुछ हफ्तों में स्पाइसजेट के बेड़े में शामिल कर लिया जाएगा। एयरलाइन के बेड़े में पहले से ही कुछ बोइंग 737 मैक्स विमान मौजूद हैं। स्पाइसजेट की तरफ से इस संबंध में कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। स्पाइसजेट के अलावा इंडिगो ने भी 30 अक्टूबर से शुरू होने वाले शीतकालीन कार्यक्रम के दौरान मांग बढ़ने की उम्मीद में डीजीसीए से विमानों को वेट लीज पर लेने की मंजूरी मांगी थी। वेट लीज के तहत विमानों के साथ चालक दल एवं इंजीनियर भी सीमित समय के लिए पट्टे पर लिए जाते हैं। विमानन कंपनी इंडिगो को भी डीजीसीए ने चौड़े आकार वाले बोइंग 777 विमानों को वेट लीज पर छह महीने के लिए लेने की मंजूरी दे दी है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार शुक्रवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कोरोबारी दिन दिग्गज कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में हुई जमकर खरीदारी और विदेशी बाजार से मिले अच्छे संकेतों से यह उछाल आया है। इसके अलावा विदेशी निवेशकों के पूंजी बाजार में निवेश से भी भारतीय बाजार को बल मिला है। इस कारण दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 203.01 अंक करीब 0.34 फीसदी बढ़कर 59,959.85 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 60 हजार के भी ऊपर निकल गया था पर बाद में इसमें अंकुश लग गया। वहीं इसी प्रकार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 49.85 अंक तकरीबन 0.28 फीसदी की बढ़त के साथ ही 17,786.80 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में मारुति सुजुकी, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एनटीपीसी, पावर ग्रिड, महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज फिनसर्व, टाइटन और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर लाभ के साथ ही उछ्ले हैं। देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी के वित्तीय परिणामों की घोषणा के बाद से ही कंपनी के शेयरों में करीब पांच फीसदी की तेजी आने लगी। मारुति सुजुकी का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में चार गुना से अधिक बढ़कर 2,112.5 करोड़ रुपये हो गया। वहीं दूसरी ओर टेक महिंद्रा, टाटा स्टील, सन फार्मा, आईसीआईसीआई बैंक और भारतीय स्टेट बैंक के शेयरों में गिरावट दर्ज की गयी है। वहीं दूसरी ओर अन्य एशियाई बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई कंपोजिट, हांगकांग का हैंगसेंग और जापान का निक्की गिरावट पर बंद हुए। इसके अलावा यूरोप के प्रमुख बाजारों में भी शुरुआती कारोबार में गिरावट रही। अमेरिकी बाजार वॉल स्ट्रीट में भी मिले-जुला कारोबार हुआ। अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.84 फीसदी की गिरावट के साथ ही 96.15 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपये में गिरावट आई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में डॉलर के मजबूत होने से अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 15 पैसे नीचे आकर 82.48 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार में तेजी के रुख और विदेशी पूंजी की ताजा आवक के कारण भी रुपये की इस गिरावट पर अंकुश लगा है। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 82.39 पर कमजोरी के साथ खुला और बाद में यह 82.29 के उच्च स्तर और 82.49 के निचले स्तर तक पहुंचा। इसके बाद कारोबार के अंत में यह अपने पिछले बंद भाव के मुकाबले 15 पैसे की गिरावट के साथ ही 82.48 प्रति डॉलर पर बंद हुआ जबकि गत कारोबारी सत्र में रुपया 48 पैसे बढ़कर 82.33 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। विश्व की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती को आंकने वाला डॉलर सूचकांक 0.25 फीसदी की तेजी के साथ ही 110.86 पर पहुंचा।

आईबीएम ने अपनी इंडियन यूनिट के कर्मचारियों को मूनलाइटिंग के लिए किया सावधान

किसी भी कर्मचारी को दूसरी जगह काम करने से पहले आईबीएम इंडिया से निकलना होगा

नई दिल्ली। आईबीएम इंडिया ने अपनी इंडियन यूनिट के कर्मचारियों को मूनलाइटिंग के लिए सावधान किया है। बताया जा रहा है कि आईबीएम इंडिया ने कर्मचारियों को एक इंटरनल मेल भेजकर इस बारे में सावधान किया है। आईबीएम के कर्मचारियों को भेजे गए मेल में कंपनी के एमडी संदीप पटेल ने कहा है कि मूनलाइटिंग कंपनी के नजरिए और नीतियों के खिलाफ है। इसके अलावा अगर कोई व्यक्तिगत गतिविधियां ऐसी हैं जिससे कंपनी के हित प्रभावित होते हैं तो उन्हें लेकर कर्मचारियों को सावधान किया गया है। आईबीएम के कर्मचारियों को कंपनी के एमडी के नाम से एक मेल भेजा गया है। मेल में कहा गया है कि किसी भी कर्मचारी को दूसरी जगह काम करने या कारोबार से जुड़ने से पहले आईबीएम इंडिया से निकलना होगा। वहीं कर्मचारी यदि किसी प्रतिस्पर्धी कंपनी से जुड़ता है तो उसके लिए यह ज्यादा जरूरी होगा। कर्मियों के शौक जैसे आर्ट, डांस और संगीत को लेकर कंपनी प्रोत्साहित करेगी, लेकिन अगर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष किसी भी तरीके से कंपनी के हितों के खिलाफ कोई कर्मी काम करता है तो इसे कंपनी के नियमों का गंभीर उल्लंघन माना जाएगा। आईबीएम इंडिया से पहले आईटी सेक्टर की दिग्गज कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इंफोसिस, विप्रो, एचसीएल और एलटीआई ने भी मूनलाइटिंग का विरोध किया है। इंफोसिस भी अपने कर्मचारियों को मूनलाइटिंग को लेकर चेतावनी का मेल भेज चुकी है। विप्रो के प्रेमजी का कहना है कि उन्होंने फ्रीलांसर के तौर पर दूसरी आईटी कंपनियों के लिए काम कर रहे करीब 300 कर्मचारियों को कंपनी से बाहर निकाल दिया है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर के मालिक बने एलन मस्क

एलन मस्क के नए बोस बनते ही सीईओ पराग अग्रवाल सहित कई बड़े अधिकारियों ने कंपनी छोड़ी

वाशिंगटन ।

लगभग छह महीने के फिल्मी ड्रामे के बाद दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर का अधिग्रहण मंजूर कर लिया और कंपनी के नए चीफ इन चार्ज बन गए हैं। ट्विटर के लिए बोली लगाने के बाद से ही कंपनी के सीईओ पराग अग्रवाल के साथ उनकी नोक झोंक चल रही थी और अब एलन के आने पर पराग ने कंपनी छोड़ दी है। उनके साथ सीएफओ नेड सेगल की भी छुट्टी हो गई है। एक अमेरिकी अखबार के अनुसार ट्विटर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पराग अग्रवाल और मुख्य वित्त अधिकारी नेड सेगल ने भी कंपनी छोड़ दी है। दोनों ही अधिकारी सैन फ्रांसिस्को स्थित कंपनी के हेडक्वार्टर से बाहर निकल गए और लौटकर नहीं आए। इतना ही नहीं लीगल पॉलिसी, ट्रस्ट और सेफ्टी विभाग के हेड विजय गड्डे को भी बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। मस्क के पास 27 अक्टूबर तक 44 अरब डॉलर में ट्विटर को खरीदने या कोर्ट ट्रायल का सामना करने की डेडलाइन थी और उन्होंने कंपनी खरीदने का विकल्प अपनाया। डील पूरी होने के बाद मस्क ने ट्वीट किया बर्ड फ्रीड. इसका मतलब है कि चिड़िया आजाद हुई। मस्क ने इसी साल अप्रैल में ट्विटर को खरीदने का प्रस्ताव दिया था। हालांकि, डील और उसकी कीमत पक्की होने के बाद एलन ने स्पैम अकाउंट की शिकायत करते हुए डील को रद्द करने की बात कही थी। कंपनी ने इसके खिलाफ अदालत का रुख किया, जहां आरोप-प्रत्यारोप की बहस के बाद आखिरकार मस्क ने डील को मंजूरी दे दी। और ट्विटर के हेडक्वार्टर पहुंच गए। कोर्ट ने मस्क को डील पूरी करने या ट्रायल का सामना करने का विकल्प दिया था। इसके बाद अक्टूबर में मस्क का मन बदला और उन्होंने 54.20 डॉलर प्रति शेयर के हिसाब से ट्विटर को खरीदने की मंजूरी दे दी। कोर्ट ने कहा कि मस्क को 28 अक्टूबर तक डील पर हर हाल में फैसला करना ही होगा। एलन मस्क ने एक संदेश में लिखा, ट्विटर खरीदने का सबसे बड़ा कारण भविष्य के समाज के लिए एक ऐसा मंच उपलब्ध कराना है, जहां ज्यादा भरोसे के साथ किसी मुद्दे पर सभ्य तरीके से बातचीत की जा सके और इसमें हिंसा का कोई रोल न हो। यह काफी खतरनाक है कि सोशल मीडिया दो भाग में बंटा नजर आ रहा है।

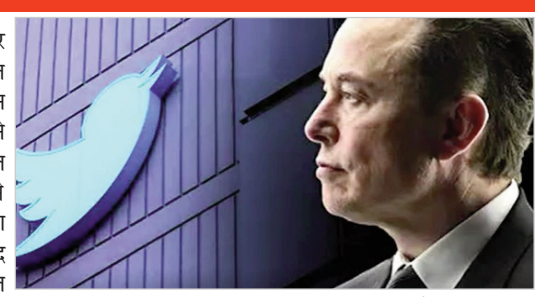

मुद्रास्फीति की उच्च दर से बाहरी मूल्य आघात हैः एमपीसी सदस्य

भिड़े ने कहा, कीमतों में बाहरी दबाव से निपटने के लिए समन्वित नीतिगत प्रयासों की जरूरत होगी

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति के सदस्य शशांक भिड़े ने कहा कि बीती तीन तिमाहियों से मुद्रास्फीति की दर उच्च स्तर पर बनी हुई है जिसका कारण दामों पर बाहरी दबाव बताया जा रहा है और इस मुद्दे से निपटने के लिए समन्वित नीतिगत प्रयासों की जरूरत होगी। उन्होंने कहा` कि 2022-23 की दूसरी तिमाही में उच्च मुद्रास्फीति रही, इससे पहले दो तिमाही में भी ऊंचे स्तर पर थी। ईंधन और खाद्य वस्तुओं के ऊंचे दाम और अन्य क्षेत्रों पर इसके असर ने मुद्रास्फीति की दर को अधिक बना रखा है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा मुद्रास्फीति जनवरी 2022 से छह फीसदी से ऊपर बनी हुई है, सितंबर में यह 7.41 फीसदी थी। मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) आरबीआई की द्विमासिक मौद्रिक नीति पर निर्णय लेते वक्त खुदरा मुद्रास्फीति पर गौर करती है। भिड़े ने कहा` कि इस स्थिति की वजह बाहरी मूल्य आघात हैं और बाकी की अर्थव्यवस्था पर इसके असर को सीमित करने के लिए कदम उठाना आवश्यक है। इन मुद्दों से निपटने के लिए समन्वित नीतिगत प्रयासों, मौद्रिक नीति और अन्य आर्थिक नीतियों की जरूरत होगी। उन्होंने कहा कि आरबीआई की मौद्रिक सख्ती का उद्देश्य मुद्रास्फीतिक दबावों को कम करना होता है क्योंकि मुद्रास्फीति का ऊंचे स्तर पर बने रहने का खपत और निवेश मांग पर प्रतिकूल असर पड़ता है। रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की तीन नवंबर को विशेष बैठक होने जा रही है।

दरअसल आरबीआई को सरकार को यह रिपोर्ट देनी है कि वह जनवरी से लगातार तीन तिमाहियों से खुदरा मुद्रास्फीति को छह फीसदी के लक्ष्य से नीचे रखने में क्यों विफल रहा है।आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता में छह सदस्यीय एमपीसी यह रिपोर्ट तैयार करेगी जिसमें मुद्रास्फीति के लक्ष्य को पाने में विफलता के कारण बताए जाएंगे। इसके अलावा यह भी बताया जाएगा कि देश में दामों में नरमी लाने के लिए केंद्रीय बैंक ने क्या उपाय किए हैं। भारत की मौजूदा व्यापक आर्थिक स्थिति के बारे में भिड़े ने कहा` कि जोखिम अनिश्चित वैश्विक माहौल से आता है, हालांकि चालू वित्त वर्ष में जीडीपी वृद्धि करीब सात फीसदी रहने का अनुमान है।

आरबीआई फिर से बढ़ा सकता है ब्याज दरें

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) एक बार फिर से ब्याज दरों में बढ़ोतरी पर विचार कर सकता है। रुपए में गिरावट और वैश्विक स्तर पर ब्याज दर वृद्धि के बीच आरबीआई ने मौद्रिक नीति समिति की एक अतिरिक्त बैठक बुलाई है। आरबीआई एमपीसी की यह बैठक 3 नवंबर को होगी। इस बैठक में आरबीआई का दरें तय करने वाला पैनल भी होगा। इस बैठक में सरकार को दिए जाने वाले आरबीआई के जवाब पर चर्चा हो सकती है। आरबीआई सरकार को यह जवाब देगा कि वह महंगाई दर को 6 फीसदी तक सीमित रखने में क्यों विफल रहा। साथ ही माना जा रहा है कि आरबीआई रेपो रेट बढ़ाने का भी फैसला ले सकता है। आरबीआई ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम 1934 की धारा 45जेडएन के प्रावधानों के तहत एमपीसी की एक अतिरिक्त बैठक 3 नवंबर को निर्धारित की जा रही है। आरबीआई के रेट सेटिंग पैनल की पिछली बैठक 28-30 सितंबर 2022 को हुई थी। इस वित्तीय वर्ष में आखिरी बार यह बैठक 5-7 दिसंबर को होगी। आरबीआई ने 30 सितंबर 2022 को पॉलिसी रेपो रेट में 0.50 फीसदी का इजाफा किया था। इससे रेपो रेट बढ़कर 5.9 फीसदी हो गई। इससे लोगों के लिए लोन महंगे हो गए। आरबीआई बढ़ती महंगाई पर काबू पाने के लिए लगातार ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर रहा है। माना जा रहा है कि इस बार की बैठक में भी आरबीआई रेपो रेट में इजाफा कर सकता है। रेपो रेट में इजाफा होने पर हर तरह के लोन महंगे हो जाएंगे।

अमेरिकी कंपनी बनाएगी बैटरी वाली एयर टैक्सी

आर्चर एविएशन इंक ने की हाल ही घोषणा

नई दिल्ली ।

एक अमेरिकी कंपनी ने 250 इलेक्ट्रिक एयर टैक्सियां बनाने का ऐलान किया है। इलेक्ट्रिक फ्लाइंग कार बनाने वाली कंपनी आर्चर एविएशन इंक ने कहा कि वह 2024 के आखिर तक एयरक्राफ्ट सर्टिफाइड होने के बाद 2025 में लगभग 250 बैटरी-इलेक्ट्रिक एयर टैक्सी बनाने और आने वाले वर्षों में उत्पादन बढ़ाने का लक्ष्य लेकर चल रही है।

कंपनी के सीईओ एडम गोल्डस्टीन ने रॉयटर्स को एक इंटरव्यू में बताया, 'एयरक्राफ्ट्स को मंजूरी मिलने के बाद हम पहले साल में 250 एयरक्राफ्ट बनाएंगे और दूसरी साल में 500 एयरक्राफ्ट का निर्माण किया जाएगा। तीसरे साल में हम 650 एयरक्राफ्ट का निर्माण करेंगे और फिर हम इसे हर साल लगभग 2,000 एयरक्राफ्ट तक लेकर जाएंगे।' कंपनी का लक्ष्य 2024 के आखिर तक अपने पायलट प्लस फोर सीटर पैसेंजर एयरक्राफ्ट 'मिडनाइट' को सर्टिफाइड करना है, हालांकि यूएस फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) अभी भी इन भविष्य के विमानों के लिए प्रमाणन नियम तैयार करने की प्रक्रिया में है और इन एयरक्राफ्ट को कब तक मंजूरी मिल सकेगी यह कहना अभी जल्दबाजी होगी। हालांकि, यह सभी कुछ आने वाले निकट भविष्य में संभव है। दूसरी तरफ जेपीएम एनालिस्ट बिल पीटरसन ने कहा कि एयरक्राफ्ट प्रोडक्शन की बात करें तो आर्चर 2025 में सिर्फ 20 यूनिट ही एयर टैक्सी का प्रोडक्शन कर सकती है।

उन्होंने आगे कहा, 'हम फ्लाइंग कार स्पेस पर निगेटिव नहीं हैं, लेकिन सोचते हैं कि इस सेगमेंट को अभी फलने फूलने में काफी वक्त लगेगा। जैसा कि इन कंपनियों ने एक साल पहले अपने एसपीएसी डेक में अनुमान लगाया था।' इस साल अब तक आर्चर के शेयर 54 फीसदी गिर चुके हैं। एक बार मंजूरी मिलने के बाद कैलिफोर्निया बेस्ड स्टार्ट अप का इलेक्ट्रिक वर्टिकल टेक-ऑफ और लैंडिंग एयरक्राफ्ट भीड़ भरे बाजार में उड़ान भरेगा, जिसमें दर्जनों अन्य डेवलपर्स जैसे जॉबी एविएशन इंक और वर्टिकल एयरोस्पेस लिमिटेड शहरी परिवहन को सुधारने के लिए होड़ में हैं। फ्लाइंग कार जैसा नया सेगमेंट, जिसका सपोर्ट टोयोटा मोटर कॉर्प और डेल्टा एयर लाइन्स जैसे इंडस्ट्री दिग्गज कंपनियां भी करती हैं, वह अभी वास्तविक हकीकत यानी सर्टिफिकेशन से काफी दूर है। बता दें कि आपने हॉलीवुड की कई फिक्शन फिल्मों में कभी न कभी उड़ती हुई कारों को जरूर देखा होगा। इसमें बड़ी-बड़ी बिल्डिंगों के बीच फ्लाइंग कार आसानी से उड़ती हुई नजर आती हैं। फिल्मों में यह सब देखकर काफी रोमांचित लगता है।

टाटा और एयरबस संयुक्त रूप से भारत में पहली बार वायुसेना के लिए तैयार करेंगे सी-295 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट

नई दिल्ली ।

देश के प्रतिष्ठित औद्योगिक समूह टाटा और एयरबस संयुक्त रूप से भारत में पहली बार वायुसेना के लिए तैयार करेंगे सी-295 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट का निर्माण करेंगे इस संबंध में दोनों के बीच अनुबंध हुआ है। गुजरात के वडोदरा में भारतीय वायुसेना के लिए सी-295 एयरक्राफ्ट मैन्युफैक्चर किए जाएंगे। टाटा की एयरबस के साथ एक डील हुई है जिसके तहत ये अत्याधुनिक एयरक्राफ्ट वायुसेना के लिए तैयार किए जाएंगे। बड़ी बात ये है कि अभी तक ये एयरक्रॉफ्ट भारत में नहीं बनाए जाते थे, लेकिन पहली बार टाटा ने एयरबस के साथ डील की है जिसके तहत गुजरात की धरती पर सी-295 एयरक्राफ्ट मैन्युफैक्चर किए जाएंगे।

यहां ये समझना भी जरूरी है कि गुजरात के वडोदरा में एक प्लांट में ये सी-295 एयरक्राफ्ट तैयार किए जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 30 अक्टूबर को इस प्लांट का शिलान्यास करने जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि इस प्लांट में टाटा और एयरसब मिलकर वायुसेना के लिए कुल 40 एयरक्राफ्ट बनाएंगे, इसके अलावा जो दूसरे जरूरी इक्विपमेंट हैं, उन्हें भी इसी प्लांट में तैयार करने की तैयारी है। जानकारी के लिए बता दें कि भारत ने पिछले साल सितंबर में 21 हजार करोड़ की एक डील की थी। उस डील के तहत एयरबस डिफेंस से भारत 56 सी-295 एयरक्राफ्ट खरीदने वाली है। इसमें 16 एयरक्राफ्ट तो पूरी तरह तैयार होकर भारत को मिलने हैं, वहीं जो बचे हुए 40 एयरक्राफ्ट हैं, उनका निर्माण भारत में होना है। अब वही 40 एयरक्राफ्ट गुजरात के वडोदरा में तैयार किए जाएंगे। इससे मेक इंड इंडिया योजना को भी बल मिलने वाला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार जिक्र कर रहे हैं कि भारत को डिफेंस के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना है, मेक इन इंडिया पर जोर देना है। इसी कड़ी में अब पहली बार एक विदेशी कंपनी भारत में ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट का निर्माण करने वाली है। इस एयरक्राफ्ट की बात करें तो इसके जरिए एक बार में 71 टूप या 50 पैराट्रूपर्स को मुश्किल जगहों पर आसानी से ले जाया जा सकता है। प्राकृतिक आपदा के वक्त भी ये एयरक्राफ्ट काफी कारगर माने जाते हैं।

यूपी में पेट्रोल-डीजल महंगा, बिहार में सस्ता

ब्रेंट क्रूड एक डॉलर बढ़कर 96.65 डॉलर प्रति बैरल पहुंचा

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में पिछले 24 घंटे के दौरान करीब एक डॉलर का उछाल आया है।सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी पेट्रोल-डीजल के खुदरा रेट में भी बदलाव देखा जा रहा है। शुक्रवार को यूपी में पेट्रोल-डीजल के भाव जहां बढ़ गए हैं, वहीं आज बिहार में सस्ता तेल मिल रहा है। हालांकि, आज भी दिल्ली-मुंबई सहित देश के चारों महानगरों में तेल के दाम नहीं बदले हैं। यूपी के गौतम बुद्ध नगर जिले में पेट्रोल 34 पैसे महंगा होकर 96.92 रुपए और डीजल 33 पैसे बढ़कर 90.08 रुपए प्रति लीटर हो गया है। दूसरी ओर बिहार की राजधनी पटना में पेट्रोल के भाव 108 रुपए से नीचे चले आए हैं। यहां पेट्रोल की कीमत 64 पैसे गिरकर 107.48 रुपए प्रति लीटर हो गई है। डीजल का दाम भी 60 पैसे लुढ़ककर 94.26 रुपए प्रति लीटर पहुंच गया है। पिछले 24 घंटे में ब्रेंट क्रूड करीब एक डॉलर बढ़कर 96.65 डॉलर प्रति बैरल के भाव पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई में भी 0.50 डॉलर की बढ़त दिख रही है और यह 88.59 डॉलर प्रति बैरल है। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है, लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है, पटना में पेट्रोल 108.12 रुपए और डीजल 94.86 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

इस बार 59फीसदी अधिक बोया गया गेहूं, सरसों और चने का रकबा भी बढ़ा

(एजेंसी)

फसल वर्ष 2022-23 के चालू रबी सत्र में अब तक 54,000 हेक्टेयर रकबे में गेहूं बोया गया है। यह एक साल पहले की समान अवधि के 34,000 हेक्टेयर के रकबे से 59 फीसदी अधिक है। रबी सत्र की मुख्य फसल गेहूं की बुवाई अक्टूबर में शुरू होती है और मार्च-अप्रैल में इसकी कटाई होती है। इसके अलावा चना और सरसों रबी मौसम (जुलाई-जून) के दौरान उगाई जाने वाली अन्य प्रमुख फसलें हैं। बुवाई के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान और जम्मू-कश्मीर में गेहूं की बुवाई का काम तेजी से चल रहा है। इस रबी सत्र में 28 अक्टूबर तक सभी रबी फसलों का कुल रकबा 37.75 लाख हेक्टेयर रहा, जो एक साल पहले की समान अवधि के 27.24 लाख हेक्टेयर से अधिक है। खरीफ फसलों की कटाई के बाद जमीन साफ होने के बाद आने वाले हफ्तों में बुवाई में और तेजी आने की उम्मीद है।

दलहन के रकबे में बढ़ोतरी

आंकड़ों से पता चलता है कि 28 अक्टूबर तक उत्तर प्रदेश में लगभग 39,000 हेक्टेयर, उत्तराखंड में 9,000 हेक्टेयर, राजस्थान में 2,000 हेक्टेयर और जम्मू-कश्मीर में 1,000 हेक्टेयर में गेहूं की बुवाई की जा चुकी है। दलहन की बुवाई का रकबा इस रबी सत्र में अब तक 8.82 लाख हेक्टेयर हो गया है। यह एक साल पहले की समान अवधि में 5.91 लाख हेक्टेयर था। दलहन में चने की बुवाई एक साल पहले के 5.91 लाख हेक्टेयर के मुकाबले 6.96 लाख हेक्टेयर में की गई है।

सरसों का रकबा भी बढ़ा

तिलहन के मामले में लगभग 19.69 लाख हेक्टेयर में छह प्रकार के तिलहन बोए गए हैं। यह रकबा एक साल पहले की अवधि के 15.13 लाख हेक्टेयर से अधिक है। इसमें से अधिकांश रकबे में रेपसीड और सरसों की 18.99 लाख हेक्टेयर में बुवाई की गई है। जबकि पिछले साल की समान अवधि में यह रकबा 14.21 लाख हेक्टेयर ही था।

भारतीय गोल्फर अर्जुन अटवाल संयुक्त तीसरे स्थान पर

साउथम्पटन।

भारतीय गोल्फर अर्जुन अटवाल पहले दौर में आठ अंडर 63 के शानदार स्कोर के साथ यहां बटरफील्ड बरमूडा चैंपियनशिप में संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर चल रहे हैं। पीजीए टूर पर जीत दर्ज करने वाले एकमात्र भारतीय 49 साल के अटवाल हाल में अपने पिता को गंवाने के बाद से प्रतिस्पर्धी गोल्फ नहीं खेले हैं। बृहस्पतिवार को अटवाल ने नौ बर्डी की मदद से पिछले 10 साल में अपना सबसे अच्छा स्कोर बनाया। वह संयुक्त रूप से शीर्ष पर चल रहे ऑस्टिन स्मोथरमैन और हैरिसन एंडीकोट से एक शॉट पीछे चल रहे हैं। अमेरिका के एडम शेंक, स्कॉट ब्राउन, डेनी मैकार्थी और रॉबी शेल्टन भी संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर हैं।

कपिल देव ने बताई भारतीय टीम की कमियां, सेमीफाइनल से पहले करना होगा दूर

नई दिल्ली। (एजेंसी)

भारतीय क्रिकेट टीम ने 2022 टी20 विश्व कप में अभी तक दो मैचों में जीत के साथ अपने अभियान की शानदार शुरुआत की है। भारत ने पहले मैच में पाकिस्तान को आखिरी गेंद पर हराया तो फिर नीदरलैंड के खिलाफ 56 रनों से जीत दर्ज की। अब रोहित एंड कंपनी के पास सेमीफाइनल में पहुंचने का आसान रास्ता हो गया है, लेकिन जैसे पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने कहा कि भारत सेमीफाइनल में हार जाएगा तो इस बात को गलत साबित करने के लिए रोहित को उन कमियों को दूर करना होगा जो अभी तक सामने आई हैं। वहीं 1983 वनडे विश्व कप दिलाने वाले पूर्व भारतीय कप्तान कपिल देव ने नीदरलैंड के खिलाफ हुए मैच के दौरान भारत की उन बड़ी कमियों को उजागर किया जिन्हें सेमीफाइनल मुकाबले से पहले दूर करना होगा। कपिल ने एबीपी न्यूज पर बात करते हुए कहा, 'टीम की गेंदबाजी बेहतर हो गई है। बल्लेबाजी में, मुझे लगा कि भारत ज्यादा रन बना सकता था, लेकिन आखिरी 10 ओवरों में 100 से अधिक रन बनाए पर शुरूआत धीमी थी। देखिए, मैदान बड़े हैं और इसलिए, स्पिनरों को थोड़ा फायदा होता है। मैं अभी भी कहूंगा कि पैच में अभी भी हमारे पास गेंदबाजी की कमी है।' उन्होंने आगे कहा, 'नीदरलैंड जैसी टीम के खिलाफ, आपके पास उचित योजना होनी चाहिए कि लाइन और लेंथ के मामले में कहां गेंदबाजी करनी है। सबसे बड़ी बात यह है कि ऐसे मैचों में नो बॉल या वाइड नहीं होना चाहिए क्योंकि आप अभ्यास कर रहे हैं और जीतने की जरूरत है। तो कुल मिलाकर, मैं कहूंगा कि गेंदबाजी अच्छी थी लेकिन फिर भी कुछ खामियां दिखाई दे रही थीं। गौर हो कि जब भारतीय टीम बल्लेबाजी कर रही थी तब उनके शुरूआती 10 ओवर में 67 रन थे। इसके बाद टीम ने आक्रामक क्रिकेट खेल आखिरी के 10 ओवर में 112 रन बनाए। भारत से मिले 180 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी नीदरलैंड टीम 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 123 रन ही बना पाई और 56 रन से हार गए। भुवनेश्वर कुमार ने 3 ओवर में 9 रन देकर दो विकेट लिए, जबकि अर्शदीप सिंह, अक्षर पटेल और रविचंद्रन अश्विन ने भी दो-दो विकेट अपने नाम किए।

फीडे महिला कैंडिडैट क्वाटर फाइनल गेम 2 - जीती बाजी हुई ड्रॉ , कोनेरु हम्पी की बढ़त बरकरार

(एजेंसी)

मोंटी कार्लो, मोनोको : निकलेश जैन फीडे महिला कैंडिडैट टूर्नामेंट के पूल ए में भारत की शीर्ष खिलाड़ी ग्रांड मास्टर कोनेरु हम्पी नें उक्रेन की एना मुजयचूक के खिलाफ क्वाटर फाइनल मुक़ाबले मे काले मोहरो से दूसरी बाजी ड्रॉ खेलते हुए 1.5-0.5 से बढ़त को बनाए रखा है । अब हम्पी को सेमी फाइनल पहुँचने के लिए बचे हुए दो मुक़ाबले में 1 अंक की जरूरत है । काले मोहरो से खेल रही कोनेरु हम्पी नें पेट्रोफ डिफेंस में 18 चालों में ही काफी बढ़त बना ली थी और जब ऐसा लग रहा था की जीत उनके हाथ में उनके घोड़े की एक गलत चाल नें एना को वापसी का मौका दे दिया और उन्होने हम्पी के राजा को लगातार शह देते हुए अंक बांटने पर विवश कर दिया । अब एक दिन के विश्राम के बाद हम्पी सफ़ेद मोहरो से मुक़ाबला खेलेंगी । वही दूसरे क्वाटर दूसरे क्वाटर फाइनल में चीन की ग्रांड मास्टर लेई टिंगजे नें उक्रेन की ग्रांड मास्टर मारिया मुजयचुक के खिलाफ बाजी ड्रॉ खेलते हुए हम्पी की तरह 1.5-0.5 से बढ़त कायम रखी है ।

भारत की विश्व कप की तैयारियां न्यूजीलैंड के खिलाफ एफआईएच प्रो लीग मैच से शुरू

भुवनेश्वर। भारतीय पुरूष हॉकी टीम जब शुक्रवार को यहां कलिंग स्टेडियम में एफआईएच प्रो लीग के नए सत्र के शुरूआती मैच में न्यूजीलैंड से भिड़ेगी तो इसके साथ वह अपनी विश्व कप तैयारियां भी आरंभ करना चाहेगी। न्यूजीलैंड के बाद भारतीय टीम का सामना अगले मैच में रविवार को स्पेन से होगा। फिर वह 'रिटर्न' मुकाबले में चार नवंबर को न्यूजीलैंड से और छह नवंबर को स्पेन से भिड़ेगी। भारतीय मुख्य कोच ग्राहम रीड ने कहा, ''प्रो लीग में चार मैचों की तैयारियों के लिये पिछले दो हफ्ते काफी व्यस्त रहे और फिर हमें अगले महीने एडीलेड में आस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैच भी खेलने हैं।'' उन्होंने कहा, ''ये सभी मैच विश्व कप के लिये हमारी तैयारियों का हिस्सा हैं। हमारा लक्ष्य निश्चित रूप से सर्वश्रेष्ठ हॉकी खेलना है लेकिन हम अपने आक्रमण में बेहतर होना चाहते हैं। हम नयी चीजें आजमाना चाहते हैं। हम इन मैचों के लिये तैयार हैं।''

बारिश ने ऑस्ट्रेलिया के सेमीफाइनल की राह को मुश्किल बनाया

मेलबर्न । (एजेंसी)

टी20 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुक्रवार को यहां होने वाला मैच बारिश के कारण रद्द होने से मेजबान टीम के सेमीफाइनल में पहुंचने की संभावनाओं को झटका लगा है। मेजबान टीम को इस टूर्नामेंट के शुरुआती मुकाबले में ही न्यूजीलैंड से 89 रनों से बड़ी हार मिली थी। अब इंग्लैंड के खिलाफ मैच नहीं होने से उसे झटका लगा है। इससे इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया को एक-एक अंक ही मिल पाया है। अब दोनों ही टीमों के 3-3 मैच में 3-3 अंक हैं पर नेट रनरेट के कारण इंग्लैंड टीम दूसरे और मेजबान टीम चौथे स्थान पर है। वहीं अब सेमीफाइनल के लिए ऑस्ट्रेलिया को बचे हुए दोनों मैच बड़े अंतर से जीतने होंगे। ऑस्ट्रेलिया को बचे 2 मैच आयरलैंड और अफगानिस्तान के खिलाफ खेलना है। सुपर-12 के ग्रुप-1 में न्यूजीलैंड की टीम शीर्ष पर है। उसने अब तक 2 मैच खेले हैं जबकि एक में उसे जीत मिली है जबकि अफगानिस्तान के खिलाफ मैच बारिश के कारण नहीं हुआ था। टीम के 3 अंक हैं और उसका नेट रनरेट 4.450 का है। वहीं इंग्लैंड के 3 मैच में 3 अंक हैं और वह दूसरे स्थान पर आ गई है। उसका नेट रनरेट 0.239 है। उसे अभी न्यूजीलैंड और श्रीलंका से खेलना है। आयरलैंड के 3 मैच में 3 अंक हैं। वह ऑस्ट्रेलिया के बराबर है पर उसका रनरेट -1.169 जबकि मेजबान टीम का -1.555 है। श्रीलंका ने अब तक 2 मुकाबले खेले हैं। इसमें उसके 2 अंक हैं। वह तालिका में 5वें नंबर पर काबिज है। दूसरी ओर अफगानिस्तान के 3 मैच में 2 अंक हैं। उसके 2 मुकाबले बारिश के कारण नहीं हो सके। वहीं इंग्लैंड के खिलाफ उसे हार मिली थी।

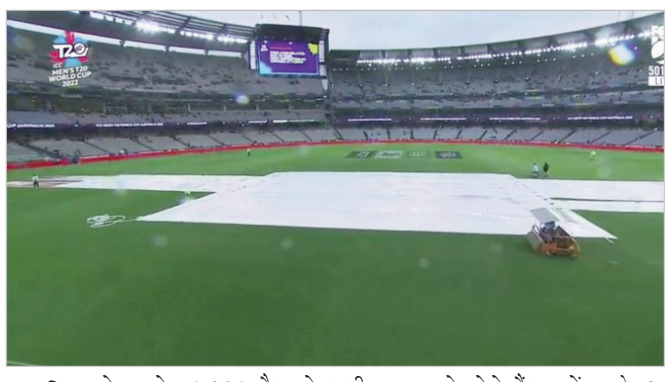

संक्षिप्त समाचार

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले में अहम रिकार्ड बना सकते हैं विराट

टी20 विश्व कप में 1000 रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बनने का अवसर

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली रविवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाले सुपर-12 मुकाबले में एक नई उपलब्धि अपने नाम कर सकते हैं। विराट के टी20 विश्वकप में अब तब कुल 989 रन हैं। उन्होंने ये रन 23 मैचों की 21 पारियों में बनाए हैं। अब रविवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाले मैच में विराट 11 रन बनाते ही टी20 विश्व कप में 1000 रन बनाने वाले विश्व के दूसरे बल्लेबाज बन सकते हैं। विराट ने विश्वकप में अब तक दो मैचों में 144 रन बनाये हैं। वहीं विराट 28 रन बनाते ही टी20 विश्व कप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले विश्व के पहले बल्लेबाज बन जाएंगे। अभी सबसे ज्यादा रनों का रिकार्ड श्रीलंकाई दिग्गज माहेला जयवर्धने के नाम है। जयवर्धने ने टी20 विश्व कप के 31 मैचों में अब तक कुल 1016 रन बनाए हैं जिसमें 122 रन उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। उन्होंने टी20 विश्व कप में 138.45 के स्ट्राइक रेट से ये रन बनाए हैं। विराट इस समय टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने 111 टी20 मैचों में कुल 3856 रन बनाए हैं। वहीं दूसरे नंबर पर कप्तान रोहित शर्मा हैं। रोहित ने 144 मैचों में 3794 रन बनाये हैं।

वावरिंका स्विस इंडोर टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में

बासेल। स्टेन वावरिंका ने स्विस इंडोर टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में ब्रेंडन नाकाशिमा को तीन सेट में हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। वावरिंका के पास दूसरे सेट में सर्विस करते हुए जीत दर्ज करने का मौका था लेकिन उन्होंने इसे गंवा दिया। वह हालांकि 6-4, 5-7, 6-4 से जीत दर्ज करने में नाकाम रहें। तीन बार के ग्रैंडस्लैम विजेता और चोटों के जूझने के बाद अब दुनिया के 194वें नंबर के खिलाड़ी वावरिंका ने बैकहैंड विनर लगाकर जीत दर्ज की। शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में वावरिंका का सामना रॉबर्टो बतिस्ता आगुत से होगा। स्पेन के इस छठे वरीय खिलाड़ी ने तीन बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन ब्रिटेन के एंडी मरे को 6-3, 6-2 से हराया। कनाडा के दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी और तीसरे वरीय फेलिक्स ऑगर एलियासिम ने मियोमिर केसमानोविच को 6-1, 6-0 से हराया। ऑगर एलियासिम क्वार्टर फाइनल में एलेक्सांद्र बुबलिक के खिलाफ उतरेंगे जिन्होंने अल्बर्टो रामोस विनोलास को 6-3, 6-3 से हराया।

बारिश के कारण नहीं हो पाया अफगानिस्तान-आयरलैंड मैच

मेलबर्न। (एजेंसी)

बारिश के कारण अफगानिस्तान और आयरलैंड के बीच आज यहां टी20 विश्व कप के सुपर-12 का मैच नहीं हो पाया। टी20 विश्व कप के सुपर-12 के इस मैच को एक भी गेंद फेंके बिना ही रद्द कर दिया गया। एमसीजी पर लगातार बारिश को देखते हुए मैदान कर्मियों ने पिच को कवर से ढ़क दिया था पर लगातार बारिश के कारण टॉस तक नहीं हो पाया। उसके बाद स्थानीय समयानुसार दोपहर बाद चार बजकर 30 मिनट पर मैच रद्द कर दिया गया। इस मैच के नहीं होने के कारण दोनो ही टीमों अफगानिस्तान और आयरलैंड में एक-एक अंक बांट दिया गया है हालांकि ये दोनों टीमें अब भी सेमीफाइनल की दौड़ में बनी हुई हैं। अब आयरलैंड की टीम ग्रुप एक में न्यूजीलैंड के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच गयी है। इन दोनों ही टीमों के तीन-तीन अंक हैं हालांकि बेहतर रन औसत के कारण न्यूजीलैंड टीम शीर्ष पर पहुंच गयी है। वहीं आयरलैंड के कप्तान एंडी बालबर्नी ने कहा, ''हम अच्छी क्रिकेट खेल रहे थे और इस मैच को लेकर उत्साहित थे पर मौसम का कुछ नहीं किया जा सकता।'' अब आयरलैंड का अपना अगला मुकाबला सोमवार को ब्रिसबेन में ऑस्ट्रेलिया से खेलना है। अफगानिस्तान सुपर 12 के पहले मैच में इंग्लैंड से हार गया था और अब उसका लगातार दूसरा मैच है बारिश के कारण रद्द हुआ है। इससे पहले इसी मैदान पर न्यूजीलैंड के खिलाफ उसका मैच बारिश के कारण रद्द हुआ था। ऐसे में अफगानिस्तान अंक तालिका में छठे स्थान पर खिसक गया है। वहीं अफगानिस्तान के कप्तान मोहम्मद नबी ने कहा, ''हमारे सभी खिलाड़ी निराश हैं क्योंकि उन्हें इस शानदार मैदान पर खेलने का अवसर नहीं मिला।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार हैं सूर्यकुमार और भुवनेश्वर

पर्थ । नीदरलैंड के खिलाफ आक्रामक पारी खिलने वाले सूर्यकुमार यादव ने कहा है कि अब वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार हैं। सूर्यकुमार ने डच गेंदबाजों की जमकर पिटाई करते हुए तेजी से अर्धशतक लगाया था। सूर्यकुमार के अलावा तेज गेंदबाज भुवनेश्वकर कुमार ने भी नीदरलैंड के खिलाफ शानदार गेंदबाजी करते हुए विरोधी टीम को कोई अवसर नहीं दिया था। बीसीसीआई ने सूर्यकुमार यादव और भुवनेश्वर कुमार की बातचीत का एक वीडियो शेयर किया है। इसमें उन्होंने मैच की योजना को लेकर भी अपनी बातें कहीं हैं। भुवनेश्वर ने पूछा कि शुरुआत में हमारा रनरेट अच्छा नहीं था। ऐसे में जब आप उतरे, तो आपके दिमाग में क्या चल रहा था। इसपर . सूर्यकुमार यादव ने कहा, मैंने कप्तान विराट कोहली से कहा है कि यदि मुझे 8 से 10 गेंद में 3-4 बाउंड्री मिल जाती है, तो मैं उसी तरह खेलता रहूंगा और हम एक साझेदारी करने को भी देख रहे थे. हमें पता था कि विकेट थोड़ा धीमा है। इसके बाद जब मुझे अच्छी शुरुआत मिली, तो मैं उसी हिसाब से बल्लेबाजी अंत तक करता चला गया। भुवनेश्वर ने सूर्या से पूछा कि विकेट में डबल उछाल था। ऐसे में आपने अपने शॉट को कैसे मैनेज किया। इस पर उन्होंने कहा कि स्क्वायर बाउंड्री थोड़ी छोटी थी। ऐसे में वहां बाउंड्री मिलना आसान था। वहीं दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच को लेकर भुवनेश्वर और सूर्यकुमार ने कहा कि यह अहम मुकाबला है। यदि हम इसमें जीत हासिल कर लेते हैं, तो अच्छी स्थिति में पहुंच जाएंगे। ऐसे में हम कोई कमी नहीं रखना चाहेंगे।

प्रणय, समीर और श्रीकांत फ्रेंच ओपन बैडमिंटन से बाहर हुए

सात्विकसाईराज और चिराग की जोड़ी प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंची

पेरिस । भारत के एचएस प्रणय , समीर वर्मा और किदांबी श्रीकांत फ्रेंच ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में मिली हार के साथ ही बाहर हो गये हैं। तीनों भारतीय पुरुष एकल खिलाड़ियों को इस सुपर 750 टूर्नामेंट के इस प्री क्वार्टर फाइनल में ही विरोधी खिलाड़ियों से हार मिली। प्रणय को चीन के ल्यू गुआंग झू ने 19-21 22-20 19-21 से हराया जबकि समीर थाईलैंड के कुनलावुत वितिदसार्न के खिलाफ सीधे गेम में 18-21 11-21 से हारे। वहीं श्रीकांत भी करीब सवा घंटे तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले के बाद डेनमार्क के राससम गेम्के के हाथों तीन गेम में 21-19, 12-21, 19-21 से हारकर बाहर हो गये। वहीं अब भारत के लिए अंतिम उम्मीद सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की सातवीं वरीय पुरुष युगल जोड़ी ही है। सात्विक और चिराग की जोड़ी ने प्री क्वार्टर फाइनल में मैन वेई चोंग और काई वून टी की मलेशियाई जोड़ी को 21-16, 21-14 से हराया। अब क्वार्टर फाइनल में इस जोड़ी को जापान के ताकुरो होही और यूगो कोबायाशी से खेलना है।

भारत ने सुलतान जोहोर कप में ब्रिटेन से 5-5 से ड्रा खेला

जोहोर। (एजेंसी)

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने शुक्रवार को यहां सुल्तान जोहोर कप हॉकी टूर्नामेंट के अपने आखिरी राउंड रोबिन लीग मैच में ग्रेट ब्रिटेन से 5-5 से ड्रॉ खेला और खुद को फाइनल की दौड़ में बनाए रखा। भारत की तरफ से पूवन्ना सीबी (सातवें मिनट), अमनदीप (50वें मिनट), अरिजीत सिंह हुंदल (53वें मिनट) और शारदा नंद तिवारी (56वें और 58वें मिनट) ने, जबकि ग्रेट ब्रिटेन के लिए मैक्स एंडरसन (पहले और 40वें), हैरिसन स्टोन (42वें मिनट) और जामी गोल्डन (54वें और 56वें) ने गोल किए। भारत ने राउंड रोबिन के अपने अभियान का अंत पांच मैचों में आठ अंकों के साथ किया और वह अभी ऑस्ट्रेलिया के बाद दूसरे स्थान पर है। ऑस्ट्रेलिया चार मैचों में 10 अंक लेकर पहले फाइनल के लिए क्वालीफाई कर चुका है। मौजूदा चैंपियन ग्रेट ब्रिटेन पहले ही फाइनल की दौड़ से बाहर हो चुका है। उसके पांच मैचों में सात अंक हैं। दक्षिण अफ्रीका के चार मैच में छह अंक हैं और यदि वह ऑस्ट्रेलिया को हरा देता है तो फाइनल में पहुंच जाएगा। ऐसी स्थिति में भारत फाइनल की दौड़ से बाहर हो जाएगा। दक्षिण अफ्रीका का गोल अंतर भारत से बेहतर है। ब्रिटेन के खिलाफ मैच में भारत ने शुरू में ही गोल खा दिया था लेकिन वह पहले क्वार्टर तक 1-1 से बराबरी करने में सफल रहा। मध्यांतर के बाद भी स्कोर में कोई बदलाव नहीं हुआ। ब्रिटेन ने जल्द बढ़त हासिल कर दी लेकिन भारत ने आखिरी क्वार्टर में अच्छी वापसी की। चौथे और आखिरी क्वार्टर में जमकर गोल वर्षा हुई। इस क्वार्टर में कुल छह गोल दागे गए जिसमें भारत के आठ मिनट के अंदर किए गए चार गोल भी शामिल हैं।

पेरिस में महिलाओं के एकल मुकाबले में डेनमार्क की मियां ब्लीकेफील्ड रिटर्न शॉट लगाती हुईं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टिकाऊ खेती में
खरपतवार नियंत्रण का महत्व

देश की बढ़ती हुई जनसंख्या के साथ खाद्यान्नों की मांग को पूरा करना एक गंभीर चुनौती बनी हुई है। गेहूं एवं धान खाद्यान्न की ऐसी फसलें हैं, जिनमें गरीबी और भुखमरी की समस्या से लड़ने की अद्भुत क्षमता है। धान, गेहूं, जौ, मक्का, ज्वार, बाजरा हमारे देश की खरीफ की प्रमुख खाद्यान्न फसल हैं। अधिक पैदावार देने वाली खाद एवं सिंचाई का अधिक उपयोग करने में एवं उन्नत किस्मों के प्रचलन से लगभग पिछले 2 दशकों में अनाज वाली फसलों एवं दलहन एवं तिलहन की पैदावार में व्यापक वृद्धि हुई है। फिर भी इसकी औसत पैदावार इसकी क्षमता से काफी कम है। उत्पादन क्षमता में वृद्धि के लिये सुधरी खेती की सभी प्रायोगिक विधियों को अपनाना आवश्यक है और जब तक हम उन वैज्ञानिक तरीकों को नहीं अपनाते है, उपज में आपेक्षित वृद्धि संभव नहीं है।

देश की तेज गति से बढ़ती हुई जनसंख्या के भरण-पोषण के लिये प्रति इकाई क्षेत्र समय एवं साधन से अधिक से अधिक उत्पादन करना नितांत आवश्यक है। इसके लिये सघन कृषि प्रणाली अपनाने के साथ-साथ उत्तम किस्म का चुनाव, सही समय पर बुवाई, संतुलित मात्रा में पोषक तत्व देना, उचित समय पर सिंचाई करना, फसल को कीड़ों, बीमारियों एवं खरपतवारों से बचा कर रखना बहुत जरूरी है जिससे न केवल फसल की पैदावार बढ़ेगी, वरन उत्पादन कारकों की क्षमता भी बढ़ेगी तथा किसान की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

खरपतवारों से हानियां

- खरपतवार जो उपलब्ध पोषक तत्वों, नमी, प्रकाश एवं स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं तथा फलस्वरूप फसल की पैदावार एवं गुणवत्ता में भारी कमी ला देते हैं।
- खरपतवार फसल में लगने वाले रोगों के जीवाणुओं एवं कीट-व्याधियों को भी आश्रय देते हैं।
- एक अनुमान के अनुसार खरपतवार विभिन्न फसलों की पैदावार में 33 प्रतिशत तक की कमी करने की क्षमता का ध्यान में रखकर कहा जा सकता है कि वर्तमान की संभावित उत्पादन स्तर में ही खाद्यान्न की 103 मिलियन टन, दलहन की 15 मिलियन टन एवं तिलहन की 10 मिलियन टन की कमी हो रही हैं।

प्रमुख खरपतवार

इन फसलों में प्रभावी खरपतवार नियंत्रण के लिये उसमें उगने वाले खरपतवारों की जानकारी होना अति आवश्यक है। खरीफ एवं रबी फसलों में उगने वाले खरपतवारों को मुख्यतः तीन श्रेणियों में बांटा जा सकता है।

खरपतवारों की रोकथाम कैसे करें

फसलों में खरपतवारों की रोकथाम निम्न तरीकों से की जा सकती है।

- स्टेल सीड बेड (बुवाई के पहले खरपतवारों को नष्ट करना) फसलों की बुवाई से पहले खाली खेत की हल्की सिंचाई करने से अधिकांश खरपतवार ऊग आते हैं। जब ये 2-3 पत्ती के हो जाएं तो उन्हें शाकनाशी (ग्लायफोसेट अथवा पैराक्वाट का 0.50 प्रतिशत घोल) द्वारा अथवा यांत्रिक विधि से जुताई करके नष्ट किया जा सकता है जिसे मुख्य फसल में खरपतवारों की संख्या में काफी कमी आ जाती है।

शुद्ध एवं साफ बीज का प्रयोग - बुवाई के समय खरपतवार रहित एवं प्रमाणित बीज का प्रयोग करके खरपतवारों की संख्या पर काबू पाया जा सकता है। कुछ फसल के बीजों को बुवाई के पहले छन्ने से साफ करने पर खरपतवारों के बीज आकार में छोटे होने के कारण नीचे गिर जाते हैं। जैसे गेहूं में गेहूं के मामा का बीज।

किस्मों का चुनाव एवं बुवाई विधि

जहां पर खरपतवार की रोकथाम के साधनों में कमी हो वहां पर फसल की ऐसी प्रजातियों का चुनाव करना चाहिए जिनकी प्रारंभिक बढ़वार खरपतवार की तुलना में अधिक हो। ऐसी प्रजातियों खरपतवारों से प्रतिस्पर्धा करके उन्हें नीचे दबा देती हैं। छिटकवां विधि के बजाय कतारों में बुवाई करने से खरपतवारों की संख्या में कमी पायी जाती है। तथा साथ ही साथ उनके नियंत्रण में भी आसानी रहती है।

जीरोटिलेज एवं फर्ब्स - धान-गेहूं फसल चक्र में धान की कटाई के तुरन्त बाद (बिना खेत की जुताई के) जीरो टिल मशीन से गेहूं की बुवाई करने पर 'फेलरिस माइनर' खरपतवार की संख्या में काफी कमी पाई गई है। इसके अतिरिक्त फर्ब्स मशीन द्वारा बनाई गई मेढ़ों पर गेहूं की बुवाई करने से भी फेलरिस माइनर की संख्या में काफी कमी आती है। ये विधियां हमारे देश के पंजाब, हरियाणा एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश में काफी लोकप्रिय है।

उचित फसल चक्र अपनाकर - एक ही फसल को लगातार एक ही खेत में बोने से खरपतवारों की संख्या काफी अधिक हो जाती है। तथा उसके नियंत्रण में काफी परेशानी उठानी पड़ती है। अतः आवश्यक है कि एक फसल को बार-बार एक ही खेत में न बोया जाय तथा उचित फसल-चक्र अपनाया जाये। धान-गेहूं फसल चक्र में फेलरिस माइनर की संख्या में काफी बढ़ोत्तरी पाई गई है। अतः इस फसल चक्र में गन्ना, बरसीम या आलू की खेती से इस खरपतवार में काफी कमी पाई गई है।

अन्तरवर्तीय फसलें उगाकर - कुछ फसलें जैसे मक्का जिनके कतारों के बीच की दूरी 60-90 सेंमी. तक होती है, खरपतवार आसानी से इन कतारों के बीच उगाकर फसल की पैदावार को कम कर देते हैं। इन कतारों के बीच यदि किसान भाई जल्दी बढ़ने वाली तथा कम समय की फसलें जैसे लोबिया, मूंग आदि को उगायें तो खरपतवारों पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सकता है तथा साथ ही साथ अतिरिक्त पैदावार भी मिल सकती है।

यान्त्रिक विधि - खरपतवारों पर काबू पाने की यह सरल एवं प्रभावी विधि है। दलहनी एवं तिलहनी फसलों में खरपतवार नियंत्रण के लिये खरपतवारनाशक दवाईयों के बजाय निकाई-गुड़ाई की सिफारिश की जाती है। इन फसलों में 30-35 दिन बाद एक बार निराई-गुड़ाई करके खरपतवारों पर प्रभावी ढंग से नियंत्रण पाया जा सकता है। कतारों में बोई गई फसलों में हो चलाकर भी खरपतवारों का नियंत्रण किया जा सकता है। परंतु यांत्रिक विधि से खरपतवार नियंत्रण में समय और मजदूर अधिक लगते हैं जिससे प्रति इकाई क्षेत्रफल में लागत अधिक आती है।

खरपतवारनाशी रसायनों का प्रयोग - समय को देखते हुए खरपतवारों का नियंत्रण शाकनाशी रसायनों द्वारा करने से जहां एक ओर खरपतवारों का उचित समय पर नियंत्रण हो जाता है वहीं दूसरी ओर लागत एवं समय की भी बचत होती है। लेकिन खरपतवारनाशकों का उपयोग करते समय यह ध्यान रखना होगा कि उसकी उचित सान्द्रता को उचित विधि द्वारा उपयुक्त समय पर प्रयोग करें ताकि इनसे समुचित लाभ प्राप्त हो सके।

ज्वार के प्रमुख रोग एवं प्रबंधन

अर्गट या गूंदिया रोग

रोग के लक्षण - दानों के बाहरी भाग पर गाढ़ा, रंगहीन अथवा हल्का गुलाबी चिपचिपा स्राव बूंदों के रूप में जमा होता है। बाजरा व इस्केमस घास इस रोगकारक के अन्य परपोषी हैं।

रोकथाम - खेत के आसपास अन्य परपोषी पौधों को हटा दें। रोग के प्रारंभिक लक्षण दिखाई देते ही कार्बेन्डाजिम 2 ग्राम दवा 1 लीटर पानी घोलकर (0.2 प्रतिशत) छिड़काव करें।

कंडवा रोग

रोग के लक्षण - ज्वार की फसल में चार विभिन्न प्रकार के कंडवा रोग लगते हैं। इनका पता भुट्टा आने पर ही चलता है। आवृत कंडवा में भुट्टा के सारे बीज प्रभावित होते हैं जो काले रंग के चूर्ण में बदल जाते हैं। अनावृत कंडवा में भी सारे बीज प्रभावित होकर गांठे बनती है- जिस पर हल्की सफेद रंग की परत होती है। दीर्घ कंडवा में भुट्टा के कुछ दाने संक्रमित होकर लम्बी बेलनाकार संरचनाएं बनती हैं। शीर्ष कंडवा में पूरा भुट्टा ही एक गांठ के रूप में बदल जाता है।

शीर्ष कंडवा

रोकथाम - खेत में रोगग्रस्त सिट्टे दिखाई देते ही कागज या कपड़े की थैली से इन्हें ढककर काट लें व जलाकर नष्ट कर दें। बीजों की बुवाई पूर्व थाइरम 4 ग्राम या कार्बोक्सिन 2 ग्राम/किलो बीज दर से उपचारित करें।

पत्ती धब्बा रोग

रोग के लक्षण - ज्वार पर ग्यारह प्रकार के विभिन्न पत्ती धब्बा रोगों का आक्रमण होता है। ये रोग देशी किस्मों पर व्यापकता से फैलते हैं। ये पर्ण अंगमारी, लाल धब्बा, जोनेट धब्बा, टारगेट धब्बा, कज्जलीधारी, भूरा धब्बा, खुरदरा धब्बा, डेऊक्सेलेरा पत्ती झुलसा प्रमुखता से है।

रोकथाम - ये रोग बीजोढ़ होते हैं साथ ही फसल अवशेषों में जीवित रहते हैं अतः रोगग्रस्त अवशेषों को इकट्ठा कर जला दें। रोगग्रस्त फसल के बीज बुआई के काम में न लें। रोगरोधी किस्में जैसे सीएसवी 10,15,17, सीएचएच 5,6,9,14 की बुवाई करें। चारे के लिए देशी किस्में बोयें। कार्बेन्डाजिम 2 ग्राम/ किलो बीज की दर से उपचारित करें। रोग के प्रारंभिक लक्षण दिखाई देने पर मैंकोजेब 0.2 प्रतिषत का छिड़काव करें।

चारकोल तना सड़न रोग

रोग के लक्षण - इस रोग से तने के निचले भाग अथवा जड़ों पर पहले हल्के रंग के बाद में काले रंग के धब्बे बनते हैं तथा उसमें सड़न प्रारंभ हो जाती है। बहुधा इस प्रकार के पौधे झुण्डों में होते हैं तथा सूखकर गिर जाते हैं, इससे उपज में बहुत अधिक हानि होती है।

रोकथाम - यह रबी की ज्वार में नमी कम होने पर अधिक होता है, अतः नमी का मृदा में संरक्षण करें। संतुलित मात्रा में उर्वरकों का प्रयोग करें। प्रति हैक्टेयर पौधों की संख्या अधिक या बहुत कम नहीं होनी चाहिए। ऐसी किस्में जो दाना पकते समय हरी रहती हों बोनी चाहिए क्योंकि इनमें चारकोल तना सड़न नही आता है।

सरसों में व्याधि प्रबंध

रोग एवं कीट व्याधियों का प्रबंधन वैसे तो सरसों की फसल पर एक दर्जन से अधिक रोग व कीट हानि पहुंचाते हैं परंतु प्रमुख रोग एवं कीट के नियंत्रण से भरपूर पैदावार की जा सकती है।

पत्ती झुलसन रोग - यह सरसों के झुलसा रोग के नाम से भी जाना जाता है इस रोग के लक्षण पत्ती पर गहरे भूरे गोल-गोल धब्बों के रूप में आते हैं तथा उपज में कमी के साथ तेल की मात्रा भी कम करते हैं। बचाव हेतु मेन्कोजेब 45 नामक दवा 2.5 ग्राम /लीटर पानी के हिसाब से छिड़काव करें 2-3 छिड़काव 15 दिन के अंतराल से करें।

श्वेत किट्ट या सफेद फफोला (व्हाइट रस्ट) रोग- शीत ऋतु में जब तापमान कम एवं कोहरा होने पर यह रोग बहुत तेजी से फैलता है इसके लक्षण पत्ती की निचली सतह पर सफेद दही जैसे संरचनाओं जैसे आकार के होते हैं बाद में पुष्प वृन्त एवं फलियों पर भी लक्षण दिखाई देते हैं फली अनियमित आकार की टेड़ी-मेड़ी केंकड़ा जैसी आकृति की हो जाती है नियंत्रण हेतु रिडोमिल एम जेड 72 नामक दवा 2 ग्राम/लीटर पानी के हिसाब से घोल बनाकर छिड़काव करें या 2.5 ग्राम मेन्कोजेब/लीटर पानी का छिड़काव 10-15 दिन के अंतराल पर दो बार करें।

चूर्णिल आसिता (पाउड्री मिल्डयू) - यह रोग तापमान बढ़ने पर अधिक तेजी से फैलता है रोग पत्तियों, तने व फलियों पर सफेद चूर्ण (पाउडर) जैसे संरचनाओं के रूप में फैलता है। नियंत्रण हेतु घुलनशील गंधक या सल्फैक्स 2 किलोग्राम दवा 800 लीटर पानी में घोल बनाकर/हे. के हिसाब से छिड़काव करें।

तना सड़न या पोलियो रोग - एक ही खेत में बार-बार सरसों की फसल बोने से यह रोग बढ़ता है। इसके धब्बे सबसे पहले तने के निचले हिस्से में गोल-गोल आकृति के रूप में आते हैं, बाद में ऊपर तक फैल जाते हैं पौधा कमजोर होकर एवं तना पोला होकर रोगग्रस्त स्थान से टूट जाता है।

नियंत्रण हेतु - फसल चक्र अपनाएं एवं रोगग्रस्त पौधों को एकत्रित कर नष्ट करें गहरी जुताई करें, सरसों घनी न बोएं। बीजोपचार कार्बेन्डाजिम 3 ग्राम दवा/किलो बीज के हिसाब से करें, तथा 1 ग्राम /लीटर पानी के हिसाब से घोल बनाकर बुवाई के 50 दिन, 65 दिन एवं 80 दिन की फसल पर छिड़काव करें, 2 प्रतिशत लहसुन का अर्क बीजोपचार एवं छिड़काव दोनों के लिए उपयुक्त एवं रोग को कम करता है।

कीट नियंत्रण

दगीला बग/बगराड़ा कीट (पेन्टेड वग)- राई सरसों की फसल को यह कीट दो बार नुकसान पहुंचाता है जब पौधे छोटे होते हैं तब और जब फली बनती है तब, कीट के शिशु एवं प्रौढ़ दोनों ही इसे चूसते हैं जिसकी पत्तियों और पौधों पर सफेद धब्बे स्पष्ट दिखाई देते हैं नियंत्रण हेतु पौधों के अवशेषों को नष्ट कर दें। मेड़ों को साफ रखें, फसल काटने के तुरन्त बाद गहरी जुताई करें जिससे प्रकोप कम होगा। डायमिथियेट या मेटासिस्टाक्स 25 ई.सी. 500 मि.मी. दवा 500 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

माहू या चैंपा (एफिड) - इस कीट को लसा के नाम से भी जाना जाता है यह छोटे पंख एवं पंख रहित दोनों तरह के हरे, पीले रंग के होते हैं। कीट के शिशु एवं प्रौढ दोनों ही बढ़ने वाले भागों फूलों कलियों, फलियों आदि का झुण्डों में चिपककर रस चूसते हैं, पौधों की बढ़वार रुक जाती है। पैदावार एवं तेल की मात्रा पर बहुत अधिक प्रभाव पड़ता है नियंत्रण हेतु समय पर बोनी करें, प्रकोप की प्रारंभिक अवस्था में कीट प्रभावित टहनियों को तोड़कर नष्ट कर दें डायमिथियेट या मेटासिस्टाक्स 25 ई.सी. 1 लीटर मात्रा 500 लीटर पानी में घोल बनाकर 15 दिन के अंतर से दो छिड़काव करें। मधु-मक्खियों की सुरक्षा के लिये कीटनाशकों का प्रयोग दोपहर के बाद करें।

एलन मस्क के ट्विटर खरीदने पर बोले डोनाल्ड ट्रंप- अब सही हाथों में पहुंच गया है

वाशिंगटन । टेस्ला के सीईओ एलन मस्क अब माइक्रो ब्लॉगिंग साइट ट्विटर के भी नए मालिक बन गए हैं। ट्विटर खरीदने के साथ ही एलन मस्क ने कंपनी के सीईओ पराग अग्रवाल को भी सस्पेंड कर दिया है। एलन मस्क के ट्विटर का मालिक बनते ही कई लोगों की प्रतिक्रिया सामने आ रही हैं, जिनका एकाउंट ट्विटर की तरफ से विभिन्न करणों से सस्पेंड कर दिया गया। इनमें पहला नाम अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का है। डोनाल्ड ट्रंप ने एलन मस्क के ट्विटर खरीदने पर कहा कि अब सही हाथों में पहुंच गया है। फॉक्स न्यूज के साथ एक साक्षात्कार में ट्रम्प ने कहा कि 'मस्क एक अच्छे व्यक्ति है, लेकिन मैं सत्य पर रहने वाला हूं। ट्विटर पर बॉट और नकली एकाउंट्स हैं। ट्रंप के दोस्त के हाथों में ट्विटर की कमान आने के बाद क्या अब फिर से उनकी इस प्लेटफॉर्म पर वापसी होगी। इसको लेकर चर्चाएं तेज हो गईं। पूछा जाने लगा कि क्या ट्रंप का ट्विटर अकाउंट बहाल होगा या नहीं। हालांकि पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति ने ट्विटर पर वापसी को लेकर कुछ नहीं कहा है। फिलहाल वो अपनी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर ही हैं। ट्रंप का कहना है कि मस्क एक बेहतरीन पर्सन हैं, वह ट्विटर में जरूर सुधार करेंगे। ट्रंप के अलावा बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत ने भी एलन मस्क के ट्विटर खरीदने पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। बॉलीवुड अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर अपनी खुशी जाहिर की है। एक्ट्रेस ने ट्विटर का नया मालिक बनने के लिए एलन मस्क के लिए तालियां बजाते हुए अपने फैंस के ट्वीट शेयर किए हैं। ट्विटर पर कंगना अपने विवादित बयान और धार्मिक-राजनीतिक पोस्ट को लेकर चर्चा में रही थीं। महाराष्ट्र सरकार के साथ विवादों को लेकर भी कंगना ने खूब सुर्खियां बटोरी थी। जिसके बाद कंगना का ट्विटर अकाउंट संस्पेंड कर दिया गया था।

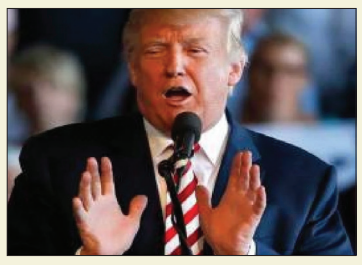

2035 तक यूरोपिय देशों में नई पेट्रोल और डीजल कारों एवं वैन की बिक्री पर प्रतिबंध

ब्रसेल्स । यूरोपीय संसद और यूरोपीय संघ (ईयू) के सदस्य देशों ने वर्ष 2035 तक नई पेट्रोल और डीजल से चलने वाली कारों एवं वैन की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने पर समझौता किया है। ईयू के वार्ताकारों के बीच इस समझौते पर गुरुवार देर रात को सहमति बनी। इस दशक में वैश्विक तापवृद्धि का कारण बनने वाली गैसों के उत्सर्जन में कटौती के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए यूरोपीय आयोग द्वारा गठित 'फिट फॉर 55' पैकेज का यह पहला समझौता है। यूरोपीय संसद ने कहा कि यह समझौता 'संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन से पहले एक स्पष्ट संकेत है कि यूरोपीय संघ अपने जलवायु कानून में निर्धारित अधिक महत्वाकांक्षी लक्ष्यों तक पहुंचने के लिए ठोस कानून अपनाने को लेकर गंभीर है। यूरोपीय संघ के आंकड़ों के अनुसार, परिवहन ही एकमात्र ऐसा क्षेत्र है, जहां पिछले तीन दशकों में ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन बढ़ा है। परिवहन उत्सर्जन 1990 और 2019 के बीच 33.5 प्रतिशत तक बढ़ गया है। यात्री कारें प्रदूषण फैलाने में अहम भूमिका निभाती हैं। ईयू के सड़क परिवहन से पैदा होने वाले कुल कार्बन डाई आक्साइड उत्सर्जन का 61 प्रतिशत यात्री कारें ही हैं। यूरोपीय संसद की पर्यावरण समिति के प्रमुख पास्कल कैनफिन के अनुसार, यह एक ऐतिहासिक निर्णय है, क्योंकि यह पहली बार 2025, 2030 और 2035 में लक्ष्य के साथ एक स्पष्ट शून्य-कार्बन उत्सर्जन मार्ग को परिभाषित करता है। यह वर्ष 2050 तक जलवायु तटस्थता के हमारे लक्ष्य के साथ जुड़ा हुआ है।'

दक्षिणी फिलीपींस में बाढ़ और भूस्खलन से कम से कम 31 लोगों की मौत

कोताबातो (फिलीपीन)। फिलीपीन के एक दक्षिणी प्रांत में रातभर बारिश की वजह से आई बाढ़ और भूस्खलन से कम से कम 31 लोगों की मौत हो गई और नौ अब भी लापता हैं जबकि कुछ लोग अपने घरों फंसे हुए हैं। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पूर्व गुरिल्ला लड़ाकों द्वारा प्रशासित पांच मुस्लिम स्वायत्त प्रांतों के गृह मंत्री नगुइब सिनारिम्बो ने बताया कि मैगुइन्डानाओ प्रांत के तीन शहर प्राकृतिक आपदा से सबसे अधिक प्रभावित हैं जहां पर बाढ़ में डूबने या मलबे में दबने से अधिकतर मौतें हुई हैं। सिनारिम्बो ने एसोसिएटेड प्रेस को टेलीफोन पर बताया, '' पूरी रात मूसलाधार बारिश होने से मलबा के साथ पानी पहाड़ों से होते हुए नदियों में आया जिससे बाढ़ आई।'' उन्होंने कहा, ''मैं उम्मीद कर रहा हूं कि हताहतों की संख्या नहीं बढ़ेगी लेकिन अब भी कुछ इलाके हैं जहां पर हम नहीं पहुंच पाए हैं।'' उन्होंने कहा कि शुक्रवार सुबह से बारिश की रफ्तार मद्धम पड़ी है जिससे कई शहरों में बाढ़ का पानी घट रहा है। सिनारिम्बो ने बताया कि मेयर, गवर्नर और आपदा प्रबंधन अधिकारियों से मिली जानकारी के मुताबिक 26 लोगों की मौत पड़ोसी तटीय शहर दातू ओडिन सिन्सुआट और दातु ब्लाह सिन्सुआट में हुई है जबकि पांच लोगों की जान उपी शहर में गई है।

उत्तर कोरिया का नया परमाणु परीक्षण चिंताजनक और वे शस्त्रागार का निर्माण कर रहे हैं: संरा परमाणु प्रमुख

वाशिंगटन। संयुक्त राष्ट्र के परमाणु प्रमुख राफेल ग्रोसी ने कहा कि उत्तर कोरिया द्वारा किया जाने वाला नया परमाणु परीक्षण चिंताजनक होगा और यह इस बात की पुष्टि करेगा कि उसका परमाणु कार्यक्रम तेज गति से आगे बढ़ रहा है। ग्रोसी ने बृहस्पतिवार को कहा कि अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) को सातवें परीक्षण की तैयारियों के संकेत मिले हैं, लेकिन उसे ऐसा कोई संकेत नहीं मिला है कि परमाणु विस्फोट का खतरा करीब है। उन्होंने एक सवाल के जवाब में पत्रकारों से कहा, ''हर कोई अपनी सांस थामे बैठा है। और परीक्षणों का मतलब जाहिर है कि वे तैयारियों को अंतिम रूप दे रहे हैं और शस्त्रागार का निर्माण कर रहे हैं, इसलिए हम बहुत, बहुत करीब से इस पर नजर रख रहे हैं।'' ग्रोसी ने कहा, ''हम उम्मीद करते हैं कि ऐसा न हो, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण रूप से संकेत कुछ और ही दिखा रहे हैं।'' अमेरिका और उसके सहयोगी एशियाई देशों-जापान व दक्षिण कोरिया के अधिकारियों ने संदेह जताया है कि उत्तर कोरिया परमाणु परीक्षण की तैयारी कर रहा है। तीनों देशों के उप विदेश मंत्रियों ने बुधवार को कहा था कि इस मामले में उनकी संयुक्त प्रतिक्रिया 'निर्णायक' होगी।

अमेरिका- दीपावली पर नॉर्थ कैरोलाइना में हिंदू मंदिर ने 'शाही प्रवेश द्वार' का किया उद्घाटन

न्यूयॉर्क । इस साल की दीपावली अमेरिकी प्रांत नॉर्थ कैरोलाइना के हिंदू समुदाय के लिए विशेष हो गया जब यहां के सबसे विशाल मंदिर ने 87 फुट ऊंचे एक टॉवर का उद्घाटन किया, जिसे भगवान के लिए 'शाही प्रवेश द्वार' के रूप में वर्णित किया गया है। श्री वेंकटेश्वर मंदिर में भव्य टॉवर का उद्घाटन 24 अक्टूबर को किया गया। इस गेटवे टॉवर को 'एकता और समृद्धि का टॉवर' नाम दिया गया है। इसका उद्घाटन गवर्नर गैरी कूपर ने किया। उन्होंने धार्मिक टॉवर का उद्घाटन करने के लिए आमंत्रित करने को लेकर मंदिर प्रबंधन को शुक्रिया कहा। एक अंग्रेजी अखबार के मुताबिक कूपर ने कहा, 'मुसीबत के दौर में यह कितना अद्भुत दिन है...मुझे आपके कहने का तरीका पसंद आया, इस मंदिर में श्रद्धा के साथ आएं और अपनी सारी चिंताओं को भूल जाएं। यह ऐसा कुछ है जो हम सभी को करने की ज़रूरत है।' स्थानीय मीडिया ने बताया कि मंदिर के न्यासी बोर्ड के महासचिव लक्ष्मीनारायणन श्रीनिवासन ने कहा कि 2009 में मंदिर में देवी-देवताओं की मूर्तियों की प्राण-प्रतिष्ठा की गई थी और कोरोना वायरस महामारी की शुरुआत में 2020 में टॉवर का निर्माण शुरू किया गया था। ऐसे 'शाही प्रवेश द्वार' को भारत में 'गोपुरम' कहा जाता है। इसके माध्यम से श्रद्धालु मंदिर परिसर में जाते हैं। मंदिर के अध्यक्ष डॉ. राज थोटकुरा ने 'सीबीएस 17' से कहा, 'टॉवर भगवान के चरणों का प्रतीक है। जब श्रद्धालु आते हैं तो वे राजा गोपुरम में आने से पहले भगवान के चरणों में झुकते हैं और जब वे मंदिर में जाते हैं तो अपनी सारी चिंताएं पीछे छोड़ देते हैं।' टॉवर के निर्माण पर भारतीय मूल के लोगों ने खुशी जताई जिसे उन्होंने हिंदू धर्म की वैश्विक पहुंच पर भारत की सांस्कृतिक छाप के रूप में देखा। जनगणना के अनुमानों के अनुसार, 51,000 से अधिक भारतीय अमेरिकी वेक काउंटी में रहते हैं और अनुमानित तौर पर 19,903 भारतीय-अमेरिकी कैरी, नॉर्थ कैरोलाइना में रहते हैं।

डोनेस्क में रुस के अधिकार वाले क्षेत्र में एक तेल डिपो मे लगी आग को बुझाने का प्रयास करते हुए दमकलकर्मी।

उत्तर कोरिया ने जापान सागर की ओर दो छोटी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें दागी

सियोल । दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ और लोकल मीडिया ने कहा कि उत्तर कोरिया ने जापान सागर की ओर दो छोटी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं। दक्षिणकोरियाई मीडिया ने बताया, संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ (जेसीएस) ने कहा कि उसने कांगवोन प्रांत के तोंगचोन क्षेत्र से प्रक्षेपणों का पता लगाया है। दक्षिण कोरिया की सेना 'संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ घनिष्ठ सहयोग में पूर्ण तैयारी की मुद्रा बनाए हुए है'।

दक्षिण कोरिया के 'ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ' ने कहा कि मिसाइल ने उत्तर कोरिया के पूर्वी जलक्षेत्र की ओर उड़ान भरी, लेकिन उन्होंने इस बारे में और कोई जानकारी नहीं दी कि मिसाइल कितनी दूर तक गई। उत्तर कोरिया ने हाल के हफ्तों में कई मिसाइलों और हथियारों का परीक्षण किया है। ताजा परीक्षण दक्षिण कोरिया के 12 दिवसीय वार्षिक सैन्य अभ्यास होगुक के अंतिम दिन किया गया है।

इस साल अभ्यास में अमेरिकी सैनिकों ने भी हिस्सा लिया है, जिनकी संख्या के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है। दक्षिण कोरिया और अमेरिका की वायु सेनाओं ने अगले सप्ताह व्यापक प्रशिक्षण आयोजित करने की योजना बनाई है। उत्तर कोरिया दक्षिण कोरिया और अमेरिका के इस तरह के नियमित सैन्य अभ्यासों को अपने ऊपर हमले की तैयारियों के तौर पर देखता है। हालांकि, दक्षिण कोरिया और अमेरिका का कहना है कि वे रक्षा के लिए ये अभ्यास करते हैं।

रूस के राष्ट्रपति पुतिन हुए नरेंद्र मोदी के मुरीद कहा-

महान देशभक्त है भारत के प्रधानमंत्री, देश का भविष्य बहुत अच्छे हाथों में है

कीव (एजेंसी)।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को भारत की स्वतंत्र विदेश नीति की प्रशंसा की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक महान देशभक्त बताया। उन्होंने आगे कहा कि भारत और रूस के बीच विशेष संबंध हैं और दोनों देशों के बीच कोई भी बकाया मुद्दा नहीं है। मॉस्को में वल्दाई क्लब सम्मेलन को संबोधित करते हुए पुतिन ने कहा, पीएम मोदी एक महान देशभक्त हैं जो कुछ अलग करने या कुछ सीमित करने के किसी भी प्रयास के बावजूद एक स्वतंत्र विदेश नीति को आगे बढ़ाने में सक्षम हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे यकीन है कि भारत का भविष्य बहुत अच्छा है और वैश्विक मामलों में इसकी भूमिका बढ़ रही है।'

व्लादिमीर पुतिन ने ब्रिटिश उपनिवेश से आधुनिक राज्य बनने की भारत की प्रगति की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि भारत एक ब्रिटिश उपनिवेश से एक स्वतंत्र देश बनने के लिए एक लंबा सफर तय कर चुका है। हमारे बीच विशेष संबंध हैं। हमारे बीच कभी कोई मुश्किल मुद्दा नहीं रहा और हमने एक-दूसरे का समर्थन किया और अभी यही हो रहा है। मुझे यकीन है कि यह भविष्य में होगा।

इससे पहले अपनी शुरुआती टिप्पणी में, व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिका और उसके सहयोगियों की खिंचाई की और कहा कि वे दुनिया पर हावी होने की उम्मीद में एक 'गंदा, खतरनाक और खूनी' खेल खेल रहे हैं।

नीदरलैंड में चीन ने खोल दिया दो पुलिस थाना, डच सरकार ने शुरू कर दी जांच

एमस्टर्डम। (एजेंसी)।

पुलिस लोगों की हिफाजत के लिए होती है। हरेक राज्य की अपनी-अपनी पुलिस फोर्स होती है। लेकिन क्या हो अगर कि कोई अन्य देश की पुलिस चौकी भी किसी और देश में खोल ली जाए। दरअसल, अब तक दूसरों की जमीन पर अतिक्रमण करने वाले चीन ने नीदरलैंड में पुलिस थाना खोल लिया है। नीदरलैंड में चीन के दो पुलिस थाने खुलने के दावे को लेकर डच सरकार ने जांच शुरू कर दी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैक्सिन होवेनकैंप ने सीएनएन को दिए एक बयान में कहा कि हम इन तथाकथित पुलिस केंद्रों की गतिविधियों की जांच कर रहे हैं।

होवेनकैंप ने कहा कि मंत्रालय को राजनयिक चैनलों के माध्यम से इन केंद्रों के बारे में सूचित नहीं किया गया था। चीन की भी इस मामले में प्रतिक्रिया आई है। चीन ने पुलिस थाना होने की बात से इनकार किया है। डच प्रसारक, आरटीएल न्यूज और डच खोजी पत्रकारिता आउटलेट फॉलो द मनी ने एक रिपोर्ट प्रकाशित की जिसमें दावा किया गया कि चीन ने 2018 से नीदरलैंड में कम से कम दो पुलिस स्टेशन खोले हैं। दो स्टेशन रॉटरडैम और एम्स्टर्डम में स्थित हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पुलिस स्टेशन 'विदेशी सेवा स्टेशनों' के मुखौटे के तहत संचालित होते हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि यह दोनों पुलिस थाने उन सर्विस स्टेशन के नाम पर चलाए जा रहे हैं, जहां चीनी नागरिक ड्राइविंग लाइसेंस में बदलाव जैसे सामान्य कार्य करवा सकते हैं। डच सरकार को इन स्टेशनों की उपस्थिति के बारे में कभी सूचित नहीं किया गया था। उनकी जांच में 'मजबूत संकेत' मिले कि शाखाओं का इस्तेमाल नीदरलैंड में चीनी असंतुष्टों पर दबाव बनाने के लिए किया जा रहा है।

अमेरिकी फाइटर पायलट चीनी सेना को चुपचाप दे रहे ट्रेनिंग! ऑस्ट्रेलिया में हुई गिरफ्तारी

वाशिंगटन (एजेंसी)।

चीन के लिए काम करने वाले एक पूर्व अमेरिकी फाइटर पायलट को ऑस्ट्रेलिया से गिरफ्तार कर लिया गया है। अधिकारियों ने कहा कि चीन में एक एविएशन कंसल्टेंसी चलाने वाले एक पूर्व अमेरिकी सैन्य पायलट को हिरासत में लिया है। सिडनी के ऑरेंज नॉर्थवेस्ट के न्यू साउथ वेल्स राज्य के ग्रामीण शहर ऑरेंज लोकल कोर्ट में पेश किया गया। ऑस्ट्रेलिया ने बताया है कि इस पूर्व पायलट को अमेरिका के अनुरोध पर गिरफ्तार किया गया है। अब इसे अमेरिका प्रत्यर्पित करने की तैयारी की जा रही है।

एक पुलिस बयान में कहा गया है कि ऑस्ट्रेलियाई संघीय पुलिस ने उस दिन ÷संयुक्त राज्य अमेरिका के अनुरोध के अनुसार÷ उसे गिरफ्तार कर लिया। चूंकि मामला अदालतों के समक्ष है, इसलिए आगे टिप्पणी करना उचित नहीं होगा। रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्लेस ने पिछले हफ्ते अपने विभाग को यह जांचने के लिए कहा था कि क्या किसी पूर्व ऑस्ट्रेलियाई सैन्यकर्मी को चीनी वायु सेना के लिए काम करने के लिए भर्ती किया गया था। उनके इस कदम के बाद एक रिपोर्ट आई कि चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के सदस्यों को प्रशिक्षित करने के लिए 30 पूर्व ब्रिटिश सैन्य पायलटों को काम पर रखा गया था। मार्लेस ने एक बयान में कहा, मुझे यह सुनकर गहरा धक्का और परेशान होगा कि ऐसे कर्मचारी थे जिन्हें एक विदेशी राज्य से तनख्वाह का लालच दिया जा रहा था। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि वह सेवारत और पूर्व ब्रिटिश पायलटों की भर्ती के चीनी प्रयासों को रोकने के लिए ÷निर्णायक कदम÷ उठा रहा है। एफबीआई दुग्गन की लंबे समय से तलाश कर रही थी। पायलट के ऑस्ट्रेलिया में मौजूद होने का पता चला तो गिरफ्तारी के लिए तत्काल अनुरोध किया गया।

आईएसआई चीफ के आरोपों पर बोले इमरान, अगर मेरा मुंह खुल गया तो...

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

इमरान खान ने शुक्रवार को कहा कि वह ÷चुप÷ रहेंगे क्योंकि वह देश और उसके संस्थानों को ÷नुकसान÷ नहीं पहुंचाना चाहते हैं। इमरान की तरफ से ये बयान आईएसआई प्रमुख के पूर्व पीएम की तरफ से सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद को ÷आकर्षक प्रस्ताव÷ देने की बात कहने के एक दिन बाद आया है। आईएसआई की तरफ से दावा किया गया था कि इस साल मार्च में राजनीतिक उथल-पुथल के दौरान बाजवा से अपनी सरकार का समर्थन करने के बदले में ये प्रस्ताव दिया गया था।

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) प्रमुख ने लाहौर के प्रसिद्ध लिबर्टी चौक पर इस्लामाबाद की ओर अपना विरोध मार्च शुरू करने के बाद अपने पार्टी समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा कि उनका मार्च राजनीति या व्यक्तिगत हित के लिए नहीं बल्कि वास्तविक स्वतंत्रता हासिल करने और यह सुनिश्चित करने के लिए है कि सभी निर्णय लंदन या वाशिंगटन में नहीं बल्कि पाकिस्तान में किए गए थे। इमरान ने कहा कि मेरा एकमात्र उद्देश्य अपने देश को आजाद कराना और पाकिस्तान को आजाद देश बनाना है।

खान ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में आईएसआई प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल नदीम अहमद अंजुम के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि यह एकतरफा था और उन्होंने केवल 'इमरान खान के बारे में बात की' और सरकार में 'चोरों' के खिलाफ एक शब्द भी नहीं कहा। इमरान ने कहा कि डीजी आईएसआई, ध्यान से सुनो, जो बातें मैं जानता हूं, मैं अपने संस्थानों और देश के लिए चुप हूं। मैं अपने देश को नुकसान नहीं पहुंचाना चाहता।

रूसी कब्जे वाले खेरसॉन में यूक्रेन ने तेज किए हमले, पुतिन ने कहा परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करने का कोई इरादा नहीं

कीव (एजेंसी)।

यूक्रेन की सेना ने बृहस्पतिवार को रूसी कब्जे वाले दक्षिणी शहर खेरसॉन पर हमले तेज कर दिए। ऐसी खबरें हैं कि रूस द्वारा नियुक्त अधिकारियों ने शहर छोड़ दिया है। यूक्रेनी सेना पश्चिम से खेरसॉन को घेर रही है और नीपर नदी के पश्चिमी तट पर रूस की तलहटी पर हमला कर रही है जो इस क्षेत्र व देश को विभाजित करती है। यहां लड़ाई शुरू होते ही रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि रूस का यूक्रेन में परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करने का कोई इरादा नहीं है।

हालांकि पहले रूस कई बार आगाह कर चुका है कि वह अपने परमाणु शस्त्रागार सहित रूस की रक्षा के लिए सभी उपलब्ध साधनों का उपयोग करने को तैयार है। मॉस्को के बाहर अंतरराष्ट्रीय विदेश नीति के विशेषज्ञों के एक सम्मेलन में पुतिन ने कहा, '' हमें उसकी जरूरत महसूस नहीं होती। इसका कोई मतलब नहीं है, न राजनीतिक और न ही सैन्य रूप से।'' उन्होंने अमेरिका और उसके सहयोगियों पर वर्चस्व के '' खतरनाक व खूनी'' खेल में अन्य देशों को अपनी शर्तों पर चलाने की कोशिश करने का आरोप भी लगाया। रूस ने 24 फरवरी को यूक्रेन पर आक्रमण किया था। रूस की विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने अमेरिका पर ''बिना सोच-समझे'' तनाव बढ़ाने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा, '' अमेरिका जितना युद्ध के मैदान में कीव शासन का समर्थन करेगा, परमाणु शक्तियों के बीच सीधे सैन्य टकराव का जोखिम उतना बढ़ेगा।'' वहीं यूक्रेन ने खेरसॉन क्षेत्र और उसकी राजधानी को पुनः प्राप्त करने के लिए अपने आक्रामक अभियान को आगे बढ़ाया है। रूसी सेना ने युद्ध के शुरुआती दिनों में उसे अपने कब्जे में ले लिया था। क्षेत्र में क्रेमलिन द्वारा नियुक्त गवर्नर व्लादिमीर साल्डो ने बृहस्पतिवार को बताया कि खेरसॉन शहर क्षेत्र के 70,000 से अधिक निवासियों ने हाल के दिनों में शहर छोड़ा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

ध्यान मुद्रा वाली दुनिया की सबसे ऊंची शिव प्रतिमा का नाथद्वारा में होगा लोकार्पण

जयपुर। राजस्थान में राजसमंद जिले के नाथद्वारा कस्बे में निर्मित 369 फुट ऊंची शिव प्रतिमा 'विश्वास स्वरूपम' का लोकार्पण शनिवार को होगा। दावा है कि भगवान शिव की अल्हड़ व ध्यान मुद्रा वाली यह प्रतिमा दुनिया की सबसे ऊंची शिव प्रतिमा है। लोकार्पण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, कथावाचक मुरारी बापू, योग गुरु बाबा रामदेव, विधानसभा अध्यक्ष डॉ सी.पी. जोशी भी मौजूद रहेंगे। प्रतिमा का निर्माण तत पदम संस्थान द्वारा किया गया है। संस्थान के ट्रस्टी और मिराज समूह के अध्यक्ष मदन पालीवाल ने कहा कि प्रतिमा के उद्घाटन के बाद 29 अक्टूबर से छह नवंबर तक नौ दिनों तक धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। इस दौरान मुरारी बापू राम कथा का पाठ भी करेंगे। कार्यक्रम के प्रवक्ता जयप्रकाश माली ने कहा कि नाथद्वारा की गणेश टेकरी पर 51 बीघा की पहाड़ी पर बनी इस प्रतिमा में भगवान शिव ध्यान एवं अल्हड़ की मुद्रा में हैं। माली ने दावा किया कि विश्व की सबसे ऊंची शिव प्रतिमा की अपनी एक अलग ही विशेषता है। 369 फुट ऊंची यह प्रतिमा विश्व की अकेली ऐसी प्रतिमा होगी, जिसमें लिफ्ट, सीढ़ियां, श्रद्धालुओं के लिए हॉल बनाया गया है। उन्होंने कहा कि प्रतिमा के अंदर सबसे ऊपरी हिस्से में जाने के लिए चार लिफ्ट और तीन सीढ़ियां बनी हैं। प्रतिमा के निर्माण में 10 वर्षों का समय और 3000 टन स्टील और लोहा, 2.5 लाख क्यूबिक टन कंक्रीट और रेत का इस्तेमाल हुआ है। इस परियोजना की नींव अगस्त 2012 में तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और मुरारी बापू की उपस्थिति में रखी गई थी। यह स्थान उदयपुर शहर से लगभग 45 किलोमीटर दूर है।

राजस्थान- भीलवाड़ा में लड़कियों की 'नीलामी' पर एनसीडब्ल्यू लिया संज्ञान, गठित की तथ्यान्वेषी टीम

नई दिल्ली । राजस्थान में लड़कियों की नीलामी को लेकर उठे बवाल के बाद राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने संज्ञान लेते हुए यहां के भीलवाड़ा जिले में कर्ज चुकाने के लिए लड़कियों की 'नीलामी' के आरोपों की जांच के संबंध में शुक्रवार को दो सदस्यीय तथ्यान्वेषी टीम का गठन किया है। आयोग ने कहा कि उसने मीडिया में आई कई खबरों का संज्ञान लिया जिनमें कहा गया है कि भीलवाड़ा में कर्ज अदायगी के विवादों को निपटाने के लिए लड़कियों की नीलामी की जा रही है। आयोग ने कहा कि खबरों के अनुसार कई मामलों में स्टांप पेपर पर लिखवाकर लड़कियों को वेश्यावृत्ति के लिए बेच दिया जाता है। कुछ मामलों में, विवादों के निपटारे के लिए 'खाप' (जाति) पंचायतों के फरमान पर उनकी माताओं के साथ बलात्कार किया जाता है। आयोग ने अपने बयान में इन अपराधों को 'बेहद भयावह और दर्दनाक' बताया और कहा कि उसने इस मामले पर गौर करने के लिए दो सदस्यीय तथ्यान्वेषी टीम का गठन किया है। एनसीडब्ल्यू की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने राजस्थान के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर तत्काल कार्रवाई की मांग की है। शर्मा ने मुख्य सचिव से आयोग को की गई कार्रवाई से अवगत कराने को भी कहा है। आयोग ने राजस्थान के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को तत्काल संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज करने और आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने के लिए भी लिखा है। पत्र की एक प्रति पुलिस अधीक्षक (एसपी) भीलवाड़ा को भेजी गई है। शीर्ष बाल अधिकार निकाय राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) के अध्यक्ष प्रियांक कानूनगो भी आरोपों की विस्तृत जांच करने के लिए सात नवंबर को भीलवाड़ा जाएंगे। कानूनगो ने कहा कि वह इसमें संलिप्त लोगों और प्रभावित गांवों की जांच करेंगे।

यूएई में फंसे पंजाब के करीब 100 अप्रवासी श्रमिक, राघव चड्ढा ने विदेशमंत्री से मांगी मदद

चंडीगढ़ । आम आदमी पार्टी (आप) के आला नेता और राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अबू धाबी में फंसे पंजाब के करीब 100 अप्रवासी श्रमिकों की सुरक्षा और उन्हें जल्द से जल्द निकालने के लिए विदेश मंत्री एस.जयशंकर को पत्र लिखा है। सांसद चड्ढा ने पत्र में कहा है कि अबू धाबी में एक निजी फर्म, स्क्वायर जनरल कॉन्ट्रैक्टिंग कंपनी में काम करने वाले पंजाब के लगभग 100 मूल निवासी बिना पासपोर्ट के फंसे हुए हैं, क्योंकि उक्त फर्म ने उनके ठेके कथित तौर पर समाप्त कर दिया है। उन्होंने कहा कि इससे पंजाबी कामगार ऑनलाइन आवेदन करने के बावजूद भारत नहीं लौट पा रहे हैं। जबकि उनके परिवार उनके लिए टिकट की व्यवस्था करने को तैयार हैं। आप के वरिष्ठ नेता ने अपने पत्र में जयशंकर से कहा, मैं इस मामले में आपके तत्काल हस्तक्षेप और दुबई में भारतीय वाणिज्य दूतावास को निर्देश जारी करने का अनुरोध करता हूं कि वे फंसे हुए व्यक्तियों के साथ संपर्क स्थापित करें ताकि उनकी जल्द भारत वापसी की व्यवस्था की जा सके।

सूर्यग्रहण पर 'अंध विश्वास'तोड़ने के लिए दिया भोज, पुरी के शंकराचार्य बोले- सनातन धर्म के खिलाफ

भुवनेश्वर । खगोल जगत में होने वाली घटनाओं के पीछे विज्ञान के सिद्धांत निहित होते हैं। ऐसे में ओडिशा में संतों और धर्मगुरुओं ने सूर्य ग्रहण के दौरान भुवनेश्वर में कुछ लोगों की ओर से एक सामुदायिक भोज में मुर्गे की बिरयानी परोसने की घटना पर रोष जताया है। खुद को तर्कवादी बताने वाले लोगों के एक समूह ने 'अंध विश्वास' को तोड़ने के लिए इस भोज का आयोजन किया था। कुछ धार्मिक संगठनों ने 'तर्कवादियों' के खिलाफ पुरी और कटक के अलग-अलग थानों में कम से कम चार प्राथमिकी दर्ज कराई हैं। पुरी के शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती ने कहा, वे अज्ञानी हैं। उनके कार्य सनातन धर्म के मूल सिद्धांतों के खिलाफ हैं। ग्रहण के दौरान उन लोगों द्वारा खाया गया भोजन (चिकन बिरयानी) उनके जीवन का अभिशाप हो सकता है।' उन्होंने कहा कि जो लोग बुनियादी सिद्धांतों का उल्लंघन कर नए सिद्धांत गढ़ते हैं, वे 'अपने जीवन और बड़े पैमाने पर समाज को नुकसान पहुंचाते हैं।' संत ने कहा, 'नियम और परंपराएं भारतीयों के दर्शन, विज्ञान और सामाजिक व्यवहार के आधार पर बनाई गई हैं। ये बताती हैं कि किस समय क्या खाया जाना चाहिए।' प्रसिद्ध आध्यात्मिक गुरु पद्म श्री बाबा बलिया ने भी 'तर्कवादियों' के कृत्य की निंदा की, जिन्होंने मंगलवार को 'सूर्य ग्रहण के दौरान उपवास की परंपरा को सार्वजनिक रूप से चुनौती दी थी।' उन्होंने कहा, 'कोई किसी को खाना खाने से नहीं रोक सकता। लेकिन, समाज को गुमराह करना स्वस्थ संस्कृति नहीं है। सूर्य या चंद्र ग्रहण के दौरान खाली पेट रहने की प्रथा विज्ञान पर आधारित है।' इस बीच, 'तर्कवादियों' ने कहा कि वे आठ नवंबर को होने वाले चंद्र ग्रहण के दौरान भी ऐसा ही करेंगे। उत्कल विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान के सेवानिवृत्त प्रोफेसर प्रताप रथ ने कहा, 'मैं जो मानता हूं, उसके साथ खड़ा हूं। जो कुछ भी विज्ञान पर आधारित नहीं है, उसका पालन नहीं किया जाना चाहिए। मैंने बचपन से ग्रहण के दौरान खाना खाया है और आगे भी ऐसा करता रहूंगा।' 66 वर्षीय रथ ने कहा, 'मैंने किसी कानून का उल्लंघन नहीं किया है या फिर संविधान के खिलाफ काम नहीं किया है।

मतदाता सूची से मुस्लिम-यादवों के नाम हटाने के आरोपों के सबूत दें- ईसी - 10 नवम्बर तक क्षेत्रवार साक्ष्य प्रस्तुत करें

नई दिल्ली । चुनाव आयोग ने समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव से उस आरोप पर सबूत देने को कहा है जिसमें उन्होंने निर्वाचन प्राधिकरण पर आरोप लगाया था कि इस साल उत्तर प्रदेश चुनाव के दौरान हर विधानसभा सीट की मतदाता सूची से यादव और मुस्लिम समुदायों के मतदाताओं के नाम सामूहिक रूप से हटा दिये गए थे। आयोग ने यादव को लिखे पत्र में कहा है कि वह सपा द्वारा इस संबंध में जिला और राज्य चुनाव अधिकारियों के समक्ष की गई शिकायतों के बारे में 10 नवम्बर तक क्षेत्रवार साक्ष्य प्रस्तुत करें। यादव ने पिछले महीने पार्टी की एक बैठक में चुनाव आयोग पर हर विधानसभा क्षेत्र में मुस्लिम और यादव वोटों के नाम हटाने का आरोप लगाया था। ऐसी जानकारी है कि आयोग ने यादव से कहा था कि उसे किसी भी निर्वाचन क्षेत्र की मतदाता सूची से 20,000 मतदाताओं के नाम हटाने की कोई शिकायत नहीं मिली है। आयोग ने यह भी कहा कि उसके जिला और राज्य निर्वाचन अधिकारियों ने प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में मतदाता सूची से मतदाताओं के नाम सामूहिक रूप से हटाने के बारे में सूचित नहीं किया है। सपा के एक उम्मीदवार ने अलीगंज विधानसभा क्षेत्र में मतदाता सूची से 10,000 मतदाताओं के नाम हटाने की शिकायत की थी।

विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा, 26/11 को कभी भी भुलाया नहीं जा सकेगा

मुंबई (एजेंसी)।

भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के मुख्य साजिशकर्ता और योजनाकार अब भी सुरक्षित हैं, उन्हें सजा नहीं दी गई है। आतंकवादी उद्देश्यों के लिए नई और उभरती प्रौद्योगिकियों के इस्तेमाल का मुकाबला विषय पर आयोजित विशेष बैठक में उन्होंने कहा कि जब कुछ आतंकवादियों पर प्रतिबंध लगाने की बात आती है, तब कुछ मामलों में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद 'राजनीतिक कारणों से, खेदजनक रूप से' कार्रवाई करने में असमर्थ रही है।

उन्होंने कहा कि 26/11 आतंकी हमलों के मुख्य साजिशकर्ता और योजनाकार अब भी सुरक्षित हैं, और उन्हें सजा नहीं दी गई है। जयशंकर ने कहा कि यह स्थिति सामूहिक विश्वसनीयता और सामूहिक हित को कमतर करती है। जयशंकर के साथ गबोन के विदेश मंत्री और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष माइकल मूसा ने ताज महल पैलेस होटल में 26/11 आतंकी हमले में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि दी।

जयशंकर ने कहा, स्तब्ध करने वाला यह आतंकी हमला केवल मुंबई पर ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय पर हुआ आतंकी हमला था। विदेश मंत्री ने कहा कि राजनैतिक मतभेदों से उठकर एक साथ आतंक की लड़ाई में साथ आना होगा। हमें मिलकर संदेश देना चाहिए कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय आतंकवादियों को जवाबदेह ठहराने और न्याय देने में कभी हार नहीं मानेगा। उन्होंने कहा कि 26/11 को कभी भी भुलाया नहीं जा सकेगा। विदेश मंत्री ने कहा कि हम 26/11 के स्मारक स्थल पर शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए उनकी वीरता और उनके संकल्प को सलाम करते हैं।

स्वामी प्रसाद मौर्य बोले- भाजपा और संघ की भाषा बोल रहे अरविंद केजरीवाल

बलिया (उप्र) (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री और समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने दिल?ली के मुख?यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नोटों पर लक्ष्मी-गणेश के चित्र छापने वाले बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए आरोप लगाया कि केजरीवाल भाजपा व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की बोल रहे हैं। बलिया में जिला मुख्यालय पर बृहस्पतिवार रात पत्रकारों से बातचीत में स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा, ''अरविंद केजरीवाल को न तो भारतीय संविधान का ज्ञान है, न वह पंथनिरपेक्ष और धर्मनिरपेक्ष भारतीय संविधान का सम्मान करना जानते हैं।' मौर्य ने दावा किया, 'केजरीवाल की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और आरएसएस से मिलीभगत स्पष्ट हो गई है। केजरीवाल वही बोल रहे हैं, जो आरएसएस उनसे बुलवा रहा है।'' सपा नेता ने आरोप लगाया कि अनाप-शनाप टिप्पणी करने वाले केजरीवाल वोट के लालच में कुछ भी कर सकते हैं। उन्होंने सवाल किया, जब 34 करोड़ देवी-देवता हैं और दो की तस्वीर नोट पर छाप देंगे तो शेष देवी-देवताओं का क्या होगा। गौरतलब है कि केजरीवाल ने बुधवार को एक संवाददाता सम्मेलन में भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति का जिक्र करते हुए कहा था कि अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये के लगातार कमजोर होने के कारण देश नाजुक स्थिति से गुजर रहा है।

भाजपा और टीआरएस एक सिक्के के दो पहलू, दोनों लोकतंत्र के खिलाफः राहुल गांधी

हैदराबाद (एजेंसी)।

कांग्रेस की भारत जोड़ों यात्रा वरिष्ठ नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में निकल रही है। इस दौरान तेलंगाना के नारायणपेट में एक जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) पर खरीद फरोख्त कर सरकारों को गिराने का आरोप लगाया है। राहुल गांधी का कहना है कि दोनों पार्टियां एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। उन्होंने कहा कि यह लोकतांत्रिक मूल्य के खिलाफ है और पैसे की राजनीति में लिप्त हैं।

राहुल गांधी ने कहा कि लोगों को यह समझाने की जरूरत है कि टीआरएस और बीजेपी दोनों एक ही हैं। टीआरएस दिल्ली में बीजेपी की मदद करती है और बीजेपी तेलंगाना में टीआरएस की मदद करती है। दोनों ही पार्टियां लोकतंत्र के खिलाफ हैं और पैसे की राजनीति में लिप्त है। ये विधायकों को खरीदकर पैसे की राजनीति करते हैं। बता दें कि, केसीआर की पार्टी टीआरएस के चार विधायकों को खरीदने की कोशिश का पुलिस ने भंडाफोड़ किया और इस मामले में तीन लोगों को हिरासत में लेने के बाद गिरफ्तार कर लिया था। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, टीआरएस के जिन विधायकों को खरीदने की कोशिश की गई है उनमें पायलट रोहित रेड्डी, रेगा कंथाराव, गुवाला बलाराजू, बीरम हर्षवर्धन शामिल हैं।

इसके बाद टीआरएस ने आरोप लगाते हुए कहा कि बीजेपी हमारे चार विधायकों को तोड़ने का प्रयास कर रही है और ऐसा करने वालों को रंगे हाथों पकड़ लिया गया है। उन्होंने कहा टीआरएस के विधायक बिकने वाले नहीं हैं। टीआरएस की ओर से खरीद-फरोख्त के आरोपों भाजपा ने पलटवार किया। भाजपा नेता जी किशन रेड्डी ने इन आरोपों का खडंन किया और कहा कि यह टीआरएस के डर को दर्शाता है और उच्च न्यायालय के मौजूदा न्यायाधीशों द्वारा जांच की मांग की। बीजेपी का उन तीन लोगों से क्या संबंध है, जिन्होंने कहा था कि 100 करोड़ रुपये दिए जाएंगे? एक विधायक के चले जाने से क्या टीआरएस सरकार गिर जाएगी?

राहुल गांधी के नेतृत्व वाली 'भारत जोड़ो यात्रा' शुक्रवार को तेलंगाना के नारायणपेट जिले के येलिगंदला से फिर से शुरू हुई और इसके 23.3 किलोमीटर की दूरी तय करने की उम्मीद है। कांग्रेस पार्टी के सूत्रों ने बताया कि 'भारत जोड़ो यात्रा' शुक्रवार रात को महबूबनगर में रुकेगी। राज्य में यात्रा का यह तीसरा दिन है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, गुरुवार को मकथल की श्री बालाजी फैक्टरी में रात्रि विश्राम लेने से पहले 'भारत जोड़ो यात्रा' ने 26.7 किलोमीटर की दूरी तय की। सात नवंबर को महाराष्ट्र में प्रवेश करने से पहले यात्रा तेलंगाना के नौ लोकसभा और 19 विधानसभा क्षेत्रों से गुजरते हुए कुल 375 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। चार नवंबर को यात्रा एक दिन का विराम लेगी।

महाराष्ट्र से गुजरात शिफ्ट हुई टाटा-एअरबस परियोजना, शिंदे सरकार पर आदित्य ठाकरे का निशाना

मुंबई। टाटा-एअरबस परियोजना अब महाराष्ट्र की बजाय गुजरात में लगेगी। अब इसको लेकर महाराष्ट्र में विपक्षी दल शिंदे सरकार पर हमलावर हो गए हैं। महाराष्ट्र सरकार के पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर निशाना साधा और सरकार को पूरी तरीके से फेल बताया। अपने बयान में आदित्य ठाकरे ने कहा कि यह चौथी बड़ी परियोजना है जो इस सरकार के आने के बाद महाराष्ट्र से बाहर हो गई। इसके साथ हू उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का इंजन फेल है, भले ही केंद्र अच्छा कर रहा हो, राज्य सरकार विफल रही है। एक बार भी मैंने सीएम से नहीं सुना कि टाटा-एयरबस परियोजना महाराष्ट्र में आएगी। शिवसेना नेता ने आगे कहा कि हम विपक्ष में होते हुए भी आवाज उठा रहे हैं, जब हम सत्ता में थे तब भी आवाज उठाई थी। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि अगर हम सत्ता में होते तो महाराष्ट्र के लिए वेदांत फॉक्सकॉन प्लांट को बरकरार रखते। आदित्य ठाकरे ने शिंदे सरकार पर राज्य की प्रगति को लेकर गंभीर न होने का आरोप लगाया और ''राज्य के हितों की रक्षा करने में नाकाम'' रहने के लिए उसकी आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री शिंदे आए दिन दिल्ली जाते हैं लेकिन वे वहां अपने लिए जाते हैं न कि महाराष्ट्र के लिए। मैंने उन्हें कभी यह कहते नहीं सुना कि टाटा-एअरबस परियोजना को महाराष्ट्र में आना चाहिए था। वेदांता फॉक्सकॉन, बल्क ड्रग पार्क, मेडिकल डिवाइस पार्क और अब टाटा एअरबस समेत परियोजनाएं गुजरात चली गयी हैं।

शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए शिक्षकों को खास प्रशिक्षण देगी झारखंड सरकार

लखनऊ (एजेंसी)।

झारखंड सरकार ने शुक्रवार को राज्य के मॉडल स्कूलों के शिक्षकों को विशेष प्रशिक्षण देने की घोषणा की। इसका मकसद सरकारी विद्यालायों के शिक्षा के स्तर को बढ़ाकर निजी स्कूलों के बराबर लाना है। अधिकारियों ने बताया कि यह प्रशिक्षण सरकारी स्कूलों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के सरकारी प्रयासों का हिस्सा होगा। एक सरकारी बयान में कहा गया है, 'महत्वाकांक्षी आदर्श विद्यालय कार्यक्रम के माध्यम से सरकार माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर की शिक्षा को आवश्यक प्रोत्साहन दे रही है और इन संस्थानों के शिक्षकों को 'चेंजमेकर' के रूप में पेश करने के लिए पूरी तरह से तैयार है।'

बयान में कहा गया है, 'इसे हासिल करने में मदद करने के लिए अजीम प्रेमजी फाउंडेशन मॉडल विद्यालय के प्रधानाचार्यों और शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा।' बयान के मुताबिक, पहले चरण में 80 स्कूलों के प्रधानाचार्यों को 10 महीने का प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि वे सरकारी स्कूलों के लिए बेहतर नजरिया विकसित कर सकें, शिक्षा का स्तर बढ़ा सकें और विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा प्रदान करने के लिए नेतृत्व कौशल में इजाफा कर सकें। बयान के अनुसार, प्रधानाचार्य प्रशिक्षण हासिल कर प्रभावी व्यवस्था बनाने के साथ-साथ पढ़ाई का माहौल भी विकसित कर सकें, इस बाबत एक व्यापक कार्य योजना तैयार की गई है, जिसके माध्यम से अंग्रेजी, विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान और हिंदी जैसे विषयों पर खास ध्यान दिया जाएगा। बयान में कहा गया है कि स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के साथ सहयोग करेगा। इसमें कहा गया है कि इन स्कूलों के प्रधानाचार्य और शिक्षकों को आईआईएम (भारतीय प्रबंधन संस्थान) जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों से भी प्रशिक्षण मिल रहा है।

लेह में 75 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का राजनाथ ने किया उद्घाटन, बोले- नई ऊर्जा के साथ यात्रा शुरू कर रहा देश

नई दिल्ली (एजेंसी)।

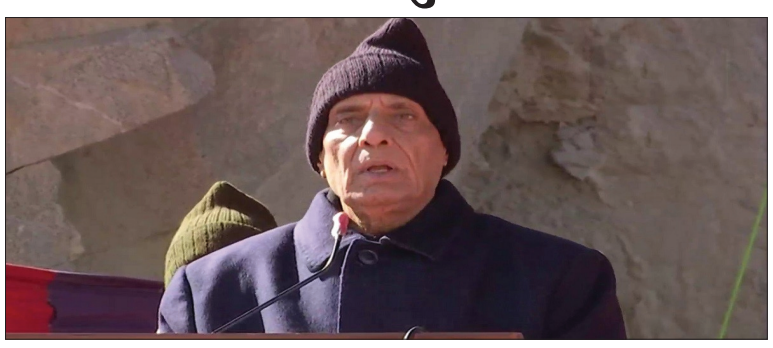

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह लद्दाख के दौरे पर हैं। अपने इस दौरे के दौरान रक्षा मंत्री ने लेह में श्योक सेतु सहित 75 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इस मौके पर राजनाथ ने अपने संबोधन में कहा कि एक साथ इतनी बड़ी संख्या में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन होना अपने आप में एक बहुत बड़ा रिकॉर्ड है। उन्होंने कहा कि ये सभी निर्माण कार्य नए भारत को प्रकृति के रास्ते पर तेजी से आगे ले जाने में बहुत महत्वपूर्ण साबित होंगे। ऐसा मेरा पक्का विश्वास है।

इसके साथ ही राजनाथ ने कहा कि मेरा पक्का विश्वास है कि देश जब एक नई ऊर्जा, नई सोच और उत्साह के साथ नई यात्रा शुरू कर रहा है तो निश्चित यह दुनिया में अपना एक नया स्थान प्राप्त करके रहेगा। इसमें BRO की बहुत बड़ी भूमिका होने वाली है। इसके साथ ही राजनाथ ने कहा कि अपनी शुरुआत से ही दूर-दराज के इलाकों में सड़क, टनल और अन्य बुनियादी ढांचे का निर्माण कर राष्ट्र के प्रगति में BRO अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का लगातार निर्वाह कर रहा है लेकिन पिछले 6-7 सालों में BRO ने जो उपलब्धियां हासिल की हैं वो अपने आप में अभूतपूर्व हैं।

रक्षामंत्री ने कहा कि सीमाई इलाकों के विकास की कुछ खास जरूरतें हैं, जिन पर हमने ध्यान दिया, और उन पर जमीनी स्तर पर काम भी कियाढ़ हमने देखा, कि इन इलाकों में समावेशी विकास की जरूरत है, जो बिना कनेक्टिविटी के संभव नहीं हो सकता है। उन्होंने कहा कि यहाँ पर लगभग सात दशकों तक विकास की वह स्थिति नहीं आ पाई, जो देश के बाकी हिस्सों में आ गई थी। बुनियादी सुविधाओं का विकास नहीं तो शिक्षा नहीं, स्वास्थ्य नहीं, उद्योग-धंधे और रोजगार के अवसर नहीं, और समृद्धि नहीं।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मुझे यह कहते हुए खुशी होती है, कि देर आए, दुरुस्त आए। देर से ही सही, पर जम्मू-कश्मीर में भी विकास की धारा बह निकली है। सरकार के अथक प्रयासों से इस इलाके में उम्मीदों की एक नई सुबह हुई है। मैं हमारी सशस्त्र बल, रक्षा विभाग और MoD को भी इन उपलब्धियों के लिए बधाई देता हूँ। मैं आप सभी से सदैव, नवनिर्माण में रत रहने का आह्वान करता हूँ। हम सभी हमेशा कुछ नया करते रहें, और राष्ट्र को नई ऊंचाइयों पर ले जाएँ, यह हमारा उद्देश्य होना चाहिए। इससे पहले गुरुवार को राजनाथ सिंह ने श्रीनगर के बडगाम में शौर्य दिवस समारोह में शिरकत की थी।

दिल्ली को वायु प्रदूषण से नहीं मिली राहत, 'बेहद खराब' श्रेणी में पहुंची वायु गुणवत्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में शुक्रवार को वायु गुणवत्ता 'बहुत खराब' श्रेणी में दर्ज की गई। वायु की गुणवत्ता के संबंध में शुक्रवार को ये जानकारी भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने साझा की है। आईएमडी के अनुसार, हवा की गति कम होने के कारण प्रदूषक आबोहवा में बने हैं।

शुक्रवार को न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री कम 14.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सुबह साढ़े आठ बजे हवा में आर्द्रता का स्तर 90 प्रतिशत था। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में बृहस्पतिवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 333 था और शुक्रवार को सुबह साढ़े नौ बजे यह 346 दर्ज किया गया।

दिल्ली के आनंद विहार केंद्र में शुक्रवार को सुबह नौ बजकर 20 मिनट पर एक्यूआई 443 रहा, जो 'गंभीर' श्रेणी में आता है। एक्यूआई वजीरपुर में 380, पटपड़गंज में 363, विवेक विहार में 397, पंजाबी बाग में 370 और जहांगीरपुरी में 397 दर्ज किया गया। सफर के पूवार्नुमान के मुताबिक, दिल्ली की वायु गुणवत्ता शनिवार तक बेहद खराब श्रेणी में बनी रहेगी।

जानें वायु गुणवत्ता के बारे में

शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को 'अच्छा', 51 से 100 के बीच को 'संतोषजनक', 101 से 200 को 'मध्यम', 201 से 300 को 'खराब', 301 से 400 के बीच 'बहुत खराब' तथा 401 से 500 के बीच एक्यूआई को 'गंभीर' माना जाता है। आईएमडी के अनुसार आज दिन में आमतौर पर आसमान के साफ रहने और अधिकतम तापमान के 32 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। दिल्ली में बृहस्पतिवार को अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री अधिक 32.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

पराली भी है कारण

दिवाली के बाद भी लोगों को प्रदूषण से निजात नहीं मिली है। जानकारों के मुताबिक पंजाब और हरियाणा में लगातार पराली जलाई जा रही है। पराली जलाए जाने के कारण भी दिल्ली की आबोहवा में प्रदूषण की मात्रा में इजाफा हुआ है। गौरतलब है कि अधिक स्तर का प्रदूषण होने से स्वस्थ्य व्यक्ति की सेहत पर भी नकारात्मक असर पड़ता है।

जानें देश के सबसे अधिक प्रदूषित शहर के बारे में

जानकारी के मुताबिक गुरुवार को गाजियाबाद सर्वाधिक प्रदूषित शहर था। वायु गुणवत्ता सूचकांक यहां 373 के स्तर पर दर्ज किया गया। वहीं लोनी में वायु गुणवत्ता का स्तर 445 दर्ज हुआ। एनसीआर के कई हिस्सों में एक्यूआई इंडेक्स ने छलांग लगाई है। उत्तर प्रदेश के अलावा हरियाणा के दिल्ली से सटे जिलों में भी प्रदूषण का यही हाल है। जानकारी के मुताबिक बढ़ते प्रदूषण के कारण दिल्ली व एनसीआर का इलाका रेड जोन में पहुंच गया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सचीन अनाज कांड के कनेक्शन

गांधीनगर उच्च अधिकारीयों और राजकीय नेताओं संपर्क में

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सुरत, सुरत सचीन गोदामों को लावारिस हालत में छोडकर भागने वाले मैनेजर प्रीति चौहान के कनेक्शन गांधीनगर उच्च अधिकारीयों और राजकीय नेताओं संपर्क में होने के बाद ही दूसरे दिन गोदाम में हाजर हो कर स्टॉक की जाँच करने वाले सभी नाम मात्र कार्यवाही के लिए किया जा रहा,

सूत्रों के अनुसार राजकीय पक्ष के खाद्यन्न विभाग के नेता की सामेल होने से किसी प्रकार की जाँच पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं,

सॉफ्टवेयर की मदद से इस प्रकार की कार्य किया जा रहे हैं जिसकी जानकारी प्रशासन को होने के बाद भी गुह विभाग के उच्च अधिकारी की भी मध्यस्थता होने से पुलिस विभाग भी कार्यवाही के पर भी राह देख और जाँच के नाम पर कार्य कर रही हैं,

जबकि सरकारी अनाज के गोदाम को लावारिश हालत में छोड़कर जाने से पुलिस विभाग को अनाज गोदाम के मैनेजर प्रीति चौहान के विरुद्ध में 166ऐ के तहत प्राथिमिकता दर्ज करनी चाहिये थे साथ में गोदाम में से बिना रसीद निति –नियम का अवहेलना कर गाड़ीयों भर की निकाला गया तो उस पर इंडियन पीनल कोड के तहत 420 के तहत मुक़दमा दर्ज करने चाहिए था . जो अभी तक किया नही गया हैं.

जिसकी जानकारी उच्च अधिकारीयों को होने के बाद भी अगर किसी प्रकार की कोई कार्यवाही विभाग के ओर से नही किया जायेगा तो उनके विरुद्ध में भी 166ऐ, 167,420,468,471 के तहत मुकदमा दर्ज करना चाहिएं था. लेकिन अभी तक दर्ज नही किया गया